दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा

• Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ ///

वर्ष : 11 | अंक : 302 टोंक | गुरुवार,18 जुलाई, 2024 | आषाढ़, शुक्ल पक्ष द्वादशी संवत्-2081 भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹1.00 | पृष्ठ : 08

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

NEET-UG 2024

40 से अधिक याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई

23 लाख बच्चों को फैसले का इंतजार

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी 2024 सुप्रीम कोर्ट गुरुवार यानी आज (18 जुलाई) नीट-यूजी 2024 में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए 40 से अधिक याचिकाएं सूचीबद्ध हैं। बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने 8 जुलाई को अपनी सुनवाई के दौरान एनटीए को यह खुलासा करने का आदेश दिया था कि प्रश्नपत्र लीक कब हुआ कैसे लीक हुआ आदि।

आज की सुनवाई पर 23 लाख से अधिक अभ्यर्थियों की नजरे

सुप्रीम कोर्ट विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार (18 जुलाई) को सुनवाई करेगा। यह परीक्षा 5 मई को आयोजित की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर 18 जुलाई की अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इनमें राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की याचिका भी शामिल है। शीर्ष अदालत ने 11 जुलाई को परीक्षा रद्द करने, दोबारा परीक्षा कराने और नीट-यूजी 2024 के आयोजन में कथित गड़बड़ी की जांच की मांग वाली याचिकाओं सहित अन्य याचिकाओं पर सुनवाई 18 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी थी।

केन्द्र ने किया था गड़बड़ी से इनकार

हलफनामे में केंद्र ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास द्वारा किए गए डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि न तो बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का कोई संकेत है और न ही उम्मीदवारों के एक स्थानीय समूह को लाभ होने का जिससे असामान्य अंक आए हैं।

23.33 लाख से अधिक छात्रों ने दी थी परीक्षा

बता दें कि 5 मई को 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर 23 .33 लाख से अधिक छात्रों ने परीक्षा दी थी, जिसमें 14 विदेशी शहर भी शामिल थे। केंद्र और एनटीए ने शीर्ष अदालत में दायर अपने पहले के हलफनामों में कहा था कि परीक्षा को रद्द करना सही नहीं होगा और बड़े पैमाने पर गोपनीयता के उल्लंघन के किसी भी सबूत के अभाव में लाखों ईमानदार उम्मीदवारों को गंभीर रूप से खतरे में डाल देगा।

न्यूज ब्रिफ

मेरे लिए जीने और मरने का सवाल..., सीएम हिमंत बिस्वा सरमा बोले- असम में तेजी से बढ़ रही मुसलमानों की आबादी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य में बदलते डेमोग्राफी पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने दावा किया है कि राज्य में मुस्लिम आबादी तेजी से बढ़ रही है, जो कि अब करीब 40 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

मेरे लिए जीने और मरने का सवाल- सीएम सरमा-उन्होंने कहा कि राज्य में तेजी से हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन हमारे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है, यह अस्तित्व का मुद्दा है। सीएम ने कहा कि साल 1951 में असम में मुसलमानों की आबादी सिर्फ 14 प्रतिशत थी।

बनिया का बेटा हूं, पाई-पाई का हिसाब लेके चलता हूं, कांग्रेस पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने ऐसा क्यों कहा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा नेता अमित शाह ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा के हरियाणा मांगे हिसाब अभियान पर कटाक्ष किया और इसे एक दशक का कुशासन और हरियाणा की प्रगति में बाधा करार देते हुए इसके लिए जवाबदेही की मांग की। अमित शाह ने कहा, बनिया का बेटा हूं, पाई-पाई का हिसाब लेके चलता हूं। कांग्रेस पर पलटवार करते हुए शाह ने कहा कि आप नौकरियों में भ्रष्टाचार, जातिवाद फैलाने, उत्पीड़ितों के साथ अन्याय और भाई-भतीजावाद का हिसाब दें।
उन्होंने कहा कि मैं आपको चुनौती देता हूंङ्क हमारे दस साल और अपने दस साल का हिसाब लेकर जनता के बीच जाइए। आप हमारे से क्या हिसाब मांगेंगे।

सीएम-प्रदेशाध्यक्ष ने संभाली उप चुनाव की कमान

5 में से 3 विधानसभा सीट जीतना चाहती है पार्टी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। बीजेपी प्रदेश कार्य समिति की बैठक के बाद अब संगठन का पूरा फोकस 5 विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव पर है। इन सीटों पर होने वाले चुनाव में सत्ता और संगठन दोनों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पार्टी कम से कम 3 सीटों पर जीत दर्ज करना चाहती है। सीएम भजनलाल शर्मा जिलों के दौरे कर रहे हैं। वहीं, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी जिलों में बैठकें ले रहे हैं। इस साल होने वाले उप-चुनावों के परिणाम सत्ता और संगठन में बैठे नेताओं का भविष्य तय करेंगे। यही वजह है कि संगठन के साथ-साथ सरकार का भी पूरा फोकस इन उप चुनावों पर है। प्रदेश कार्य समिति की बैठक में भी उप चुनावों को जीतने की रणनीति पर चर्चा हुई थी। उसी के तहत अब सत्ता और संगठन ने इस पर काम करना शुरू कर दिया है।

बीजेपी 5 में से कम से कम 3 सीट जीतना चाहती है-प्रदेश में दौसा, खींवसर, देवली-उनियारा, चौरासी और झुंझुनूं विधानसभा सीट पर उप चुनाव होना है। इन 5 में से बीजेपी ने कम से कम 3 सीट जीतने का लक्ष्य रखा है। बीजेपी की प्राथमिकता में दौसा, खींवसर और देवली-उनियारा सीट है। वहीं, चौरासी और झुंझुनूं सीट जीतने के लिए भी बीजेपी ने रणनीति बनाई है। ये पांचों सीटें फिलहाल बीजेपी के पास नहीं है। इनमें से तीन सीट कांग्रेस और एक-एक सीट आरएलपी और बीएपी ने जीती थी।

सीपी जोशी कर रहे उप चुनाव वाले जिलों का दौरा

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी लगातार उप चुनाव वाले जिलों में संगठनात्मक बैठकें ले रहे हैं। सीपी जोशी पिछले दो दिन में नागौर, झुंझुनूं जिले का दौरा कर चुके हैं। बुधवार को वे दौसा जिले के दौरे पर रहे। वहीं, इसके बाद टोंक जिले में संगठनात्मक बैठक ली। संगठन के साथ-साथ सरकार भी उप चुनाव को ध्यान में रखकर काम कर रही है। बुधवार को सीएम भजनलाल शर्मा भी नागौर जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने नागौर के लाडनूं में जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा प्रवचन स्थल के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की। सीएम के नागौर के दौरे को भी उप चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं माना जा रहा है कि आगे भी सीएम के उप चुनाव वाले जिलों में अधिक दौरे होंगे।

विधानसभा सत्र के बाद प्रभारियों के होंगे दौरे

लोकसभा चुनावों में 11 सीटें हारने के बाद बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश बीजेपी को हर हाल में विधानसभा उप चुनाव में अपनी परफॉर्मेंस सुधारने की हिदायत दी थी। उसी के मद्देनजर प्रदेश संगठन ने पांचों सीटों पर विधानसभा प्रभारियों की नियुक्ति की थी। इन प्रभारियों में क्षेत्रीय और जातिगत समीकरण को देखते हुए मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। विधानसभा सत्र के बाद इन प्रभारियों के उप चुनाव वाली सीटों पर दौरे होंगे। प्रभारी इन सीटों पर जाकर वहां जिला पदाधिकारियों, स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से वन टू वन चर्चा करेंगे। वहीं, जिताऊ प्रत्याशी की तलाश करेंगे।

बीजेपी ने बनाए विधानसभावार प्रभारी

- झुंझुनूं- मंत्री अविनाश गहलोत, मंत्री सुमित गोदारा, विधायक गोवर्धन वर्मा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी।
- दौसा- उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, विधायक किरोड़ीलाल मीणा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी।
- देवली-उनियारा- मंत्री हीरालाल नागर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, प्रदेश महामंत्री व विधायक जितेंद्र गोठवाल।
- खींवसर- मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, मंत्री सुरेश रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, और बीजेपी प्रवक्ता अशोक सैनी।

नकल गिरोह के लिए फर्जी डॉक्युमेंट बनाने वाला वांटेड गिरफ्तार

रीट -2021 केस में 3 साल से चल रहा था फरार; 2 साल पहले बना सरकारी टीचर

बढ़ता राजस्थान

बाड़मेर। रीट में नकल करवाने वाले गिरोह को फर्जी एडमिट कार्ड और डॉक्युमेंट बनाकर उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। उस पर बालोतरा पुलिस ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। 2 साल पहले आरोपी सरकारी टीचर बन गया और सांचौर जिले के चितलवाना इलाके सरकारी स्कूल में शारीरिक टीचर (पीटीआई) के पद पर पदस्थापित था।

12 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेज दिया था जेल

थानाधिकारी ओमप्रकाश गोदारा ने बताया- साल 2021 में आयोजित रीट परीक्षा से 2 दिन पहले बालोतरा पुलिस ने एक मकान पर दबिश देकर 2 टीचर को गिरफ्तार कर बड़े नकल गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में पुलिस 22 आरोपियों को नामजद किया गया था। इनमें से मास्टरमाइंड सहित 12 आरोपियों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था और जेल भेज दिया था। गोदारा ने बताया- आरोपियों से पूछताछ में सामने आया था कि ई-मित्र संचालक आरोपी मनोहरलाल ने गिरोह को फर्जी तरीके से एडमिट कार्ड और अन्य दस्तावेज बनाकर उपलब्ध करवाए थे। आरोपी 3 साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी मनोहरलाल को गिरफ्तार कर लिया। मनोहरलाल बालोतरा थाने के टॉप-10 वांटेड में शामिल था।

देवली शहर सहित पूरे उपखंड में त्याग बलिदान का शहीदी पर्व पर बड़ी अकीद के साथ मनाया

बढ़ता राजस्थान

देवली(नि.स.)। पैगम्बर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के प्यारे नवासे हज़रत इमाम हुसैन हसन की शहादत दिवस के उपलक्ष में यहां बुधवार को ताज़िए का पर्व मनाया गया है। जामा मस्जिद भिश्ती मोहल्ला, कुरेशियां मोहल्ला, बंगाली कॉलोनी, प्रताप नगर, इमाम बाड़ा एजेंसी मस्जिद एरिया से ताज़िए मुहररम मातमी धुनों के साथ गमगीन माहौल मे निकल गए जो शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए ऊंचा तालाब पहुंचे जहां कर्बला की रस्म अदा की गई। बुधवार को दोपहर बाद छतरी चौराहे पर सभी ताजियों का मिलन हुआ। जिसमे उस्तादो की दस्तार बंदी कॉम के रहनुमाओ ने की। शाम को ऊंचा स्थित कर्बला सरोवर में ताजियों को नम आंखों से शेहराब सुपुर्द खाक किया गया है

शाम को जिन लोगों ने रोजा रखा उन्होंने मगरिब की नमाज के साथ व्रत खोल खुदा का शुक्र अदा किया।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

बढ़ता राजस्थान

कांकेर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने बुधवार को मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मौके से हथियार और अन्य सामान भी बरामद हुआ है। फिलहाल इलाके में सर्चिंग जारी है। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ करीब 6 घंटे तक चली है। वहीं मुठभेड़ में सब इंस्पेक्टर सहित 2 जवान घायल हुए हैं। घायल सब इंस्पेक्टर सतीश पाटील महाराष्ट्र की सी-60 फोर्स के जवान हैं। उन्हें बाएं कंधे में गोली लगी है। उन्हें हेलिकॉप्टर से कांकेर के बांदा से गढ़चिरौली भेजा गया। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ कांकेर के पंखाजुर और महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जंगल में हुई है। गढ़चिरौली से महाराष्ट्र पुलिस और सी-60 के जवान सुबह करीब 10 बजे सर्चिंग पर निकले थे। इसी बीच झारावंडी थाना क्षेत्र के जंगल में दोपहर करीब 1:30 से 2:00 बजे के बीच नक्सलियों से सामना हो गया।

सी-60 के पीएसआई सहित 2 जवान घायल

एके-47, इंसास सहित 7 ऑटोमोटिव हथियार बरामद

12 से 15 नक्सलियों के मौजूद होने की मिली थी सूचना

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र पुलिस को सूचना मिली थी कि वंडोली गांव में 12 से 15 नक्सलियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। इस पर डिप्टी एसपी ऑप्स के नेतृत्व में 7 सी-60 दलों को वंडोली गांव में छत्तीसगढ़ बॉर्डर के पास भेजा गया। दोपहर में सर्चिंग के दौरान अचानक से नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

मारे गए नक्सलियों में सिर्फ एक की पहचान हुई

इस पर जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। करीब 6 घंटे तक रुक-रुक कर दोनों ओर से फायरिंग जारी रही। मुठभेड़ खत्म होने के बाद जवानों ने इलाके में सर्चिंग की। इसमें 12 नक्सलियों के शव बरामद हो गए हैं। इनमें सिर्फ एक की पहचान दलम प्रभारी डीवीसीएम लक्ष्मण आत्राम उर्फ विशाल आत्राम के रूप में हुई है।

घायल जवानों को नागपुर रेफर किया गया

जवानों ने मौके से 3 एके47, 2 इंसास, 1 कार्बाइन, 1 एसएलआर सहित 7 ऑटोमोटिव हथियार बरामद किए हैं। महाराष्ट्र पुलिस ने बताया कि, सी-60 के एक पीएसआई और एक जवान को गोली लगी है। वे खतरे से बाहर हैं। उन्हें निकाल लिया गया है और नागपुर भेजा गया है।

सम्पादकीय

निजी भागीदारी में हो इजाफा हथियारों पर विदेशी मुद्रा खर्च कम करने की जरूरत

बीते तकरीबन पांच साल में देश की रक्षा खरीद नीति में 'स्वदेशीकरण' का बड़ा लक्ष्य तय किया गया। भारत समेत किसी भी देश में ऐसे प्रयास करने के लिए पर्याप्त वजह होती हैं। यह महत्त्वपूर्ण है, खासकर एक बढ़ती असुरक्षा वाले विश्व में जरूरी हथियारों और उन्हें चलाने वाले प्लेटफॉर्मों पर अधिकतम नियंत्रण आवश्यक है। हथियारों पर विदेशी मुद्रा खर्च करने में कमी लाना एक और वांछित परिणाम है। इस बात की भी पर्याप्त वजह हैं कि यह माना जाए कि घरेलू रक्षा क्षेत्र उन बेहतरीन क्षेत्रों में से एक है जो सरकार को घरेलू अर्थव्यवस्था में नवाचार बढ़ाने के लिए उत्साहित कर सकते हैं। इसके बावजूद रक्षा खरीद के स्वदेशीकरण को समय के साथ टिकाऊ बनाने के लिए निजी क्षेत्र को सही ढंग से साथ में जोड़ना होगा। रक्षा मंत्रालय की ओर से हाल के दिनों में जारी आंकड़ों से यही संकेत मिलता है कि यह उस हद तक नहीं हो रहा है जिस हद तक वांछित है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक देश का घरेलू रक्षा उत्पाद पिछले दो वित्त वर्षों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक है लेकिन निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बमुश्किल एक चौथाई है और यह 2017-18 के स्तर के आसपास ही था। कई लोगों ने ध्यान दिया है कि लार्सन ऐंड टुब्रो जैसी कंपनियों ने हाल के समय में अपना रक्षा कारोबार बढ़ाया है लेकिन आंकड़े बताते हैं कि निजी क्षेत्र की ओर से ऐसा विस्तार देश के रक्षा उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी बरकरार रख पाने भर के लायक है। रक्षा उत्पादन का अधिकांश हिस्सा रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों से ही आ रहा है। यह निश्चित नहीं है कि उनमें भारत को इस क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में ऊपर ले जाने की क्षमता है अथवा नहीं या फिर क्या वे ऐसा आंतरिक स्तर पर नवाचार कर सकते हैं कि जो न केवल सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़त दे बल्कि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसके प्रभाव को बढ़ाए। स्पष्ट है कि 'मेक इन इंडिया' की आकांक्षा है लेकिन हकीकत 'मेक इन पब्लिक सेक्टर' ही है। यदि स्वदेशीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र को सही मायने में मजबूत बनाना है तो उन क्षेत्रों को चिह्नित करना होगा जहां सरकार को बदलाव करने की आवश्यकता है। एक जरूरत यह है कि रक्षा कारोबार में भारतीय कंपनियों को निवेश का सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जाए। ऐसा तब हो सकता है जबकि सरकार इसके लिए जरूरी दिशानिर्देश जारी करे, ये दिशानिर्देश उचित और तार्किक हों और उनके साथ खरीद की प्रतिबद्धता भी जुड़ी हो। दूसरे देशों में निजी कंपनियां बड़ा निवेश करके प्रसन्न हैं क्योंकि वहां उन्हें आश्वस्ति है कि उनका निवेश बरबाद नहीं होगा। परंतु भारत में ऐसे भरोसे का अभाव है। एक बड़े ग्राहक वाले कारोबार में ग्राहक को विश्वसनीय खरीदार के रूप में देखे जाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होता है ताकि निवेश को गति मिले। देश में रक्षा निजी क्षेत्र के कुछ पहलुओं को अक्सर सफल बताया जाता है। इनमें छोटे और मझोले उपक्रमों की बढ़ती उपस्थिति एक है। इसमें स्टार्टअप भी शामिल हैं। बड़े निजी निवेश के लिए स्पष्ट खाके के अभाव में ऐसी स्टार्टअप भी उचित जगह नहीं बना पाएंगी या उन्हें समुचित प्रोत्साहन नहीं मिल सकेगा।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है?

ललित गर्ग

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आतंकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आतंकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आतंकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आतंकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आतंकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एजेंसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें। डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले 'कश्मीर टाइगर्स' जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आतंकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे। जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा। केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आतंकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आतंकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है। पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। ताजा आतंकी हमलों के विकराल रूप कई संकेत दे रहे हैं, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है। यह पाकिस्तान का बड़ा षड्यंत्र है इसलिए इसका फैलाव भी बड़ा हो सकता है। ये घटनाएं चिल्ला-चिल्ला कर कह रही हैं हमारी खोजी एजेन्सियों से, हमारी सुरक्षा व्यवस्था से कि वक्त आ गया है अब जिम्मेदारी से, सख्ती से और ईमानदारी से जम्मू-कश्मीर को संभालें।

शख्सियत

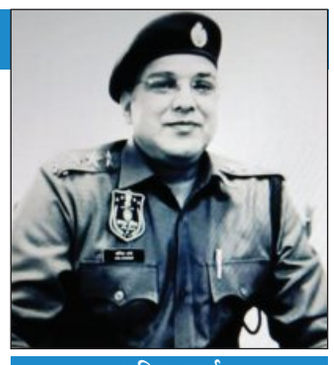

अनिल शर्मा
(एसीपी,जयपुर)

नमस्कार साथियों हमारे आज की शख्सियत कॉलम के सुपरस्टार हैं ऊर्जावान ओजस्वी और डायनामिक पुलिस अधिकारी अनिल शर्मा। अनिल शर्मा का जन्म 5 अप्रैल सन 1973 झुंझुनू के पास एक छोटे से गांव में हुआ सीकर और जयपुर से अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद इन्होंने पुलिस डिपार्टमेंट ज्वाइन किया और सन 1996 में ये सब इंस्पेक्टर के रूप में अप्वॉइंट हुए। वॉलीबॉल के नेशनल प्लेयर रहे हैं अनिल शर्मा बीएससी,बी.एड और एम.सी.ए तक शिक्षा लेने के बाद इन्होंने पुलिस की वर्दी पहनी और आमेर, सदर, सुभाष चौक, आईबी, एसीडी व क्राइम ब्रांच में अपनी सेवाएं दी। जेडीए जैसे विभागों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी। जब यह बगरू थाना अधिकारी थे। बात सन 2014-15 में तब इन्होंने एक कीर्तिमान स्थापित करते हुए 60 युवाओं को पुलिस मित्र बनाया जो अपने आप में मिसाल रही राजस्थान पुलिस के लिए। पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले इन युवाओं ने अपराध के पहियों को थामने में पुलिस की भरपूर मदद की। इसके बाद यह टेक्निकल शाखा में रहे। अलवर के तिजारा थाना अधिकारी बने तो तिजारा में भी इन्होंने बगरू की तरह 60 युवाओं को पुलिस मित्र बनाया उसके बाद तिजारा क्षेत्र में अपराधियों के आतंक पर लगाम लगी,नहीं तो तिजारा बेहद संवेदनशील व अपराधियों का गढ़ माना जाता था,इनके नवाचार के बाद आज भी वहाँ अमन चैन है। क्षेत्र के लोग इन्हें मसीहा के रूप में जानते हैं। पुलिस मित्र टीम तिजारा, 9 सितंबर 2018 को स्थापना तत्कालीन थानाधिकारी व वर्तमान वृताधिकारी अनिल शर्मा द्वारा कि गई (जिसके फलस्वरूप टीम के 5 वर्ष के कार्यकाल मे रात्रि में एक भी चोरी लूटपाट ऐसी वारदात नहीं हुई)और सामाजिक कार्यक्रम जैसे - मेला,जागरण, या फिर रेलियों की सभा में भी अपना पुलिस को सहयोग करते हैं हमने दर्जनो दुर्घटना मे घायलों का समय रहते उपचार कराया है टीम में 63 लडके निशुल्क,निस्वार्थ भावना से कार्य कर रहे है जिनको 7 टीमो में विभाजित कर प्रत्येक टीम का नाम महापुरुषों जैसे सुभाष चन्द्र बोस,मंगल पाण्डेय, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, सम्राट अशोक,तात्या टोपे के नाम पर रखे हुए हैं । बाद में अनिल कोतवाली थाना अधिकारी रहे जयपुर ट्रांसफर हो गया तो जयपुर नगर निगम में इन्होंने अपनी सेवाएं दी। वहां ये प्रमोट हुए और राजस्थान पुलिस सेवा के अधिकारी बने और बगरू सहायक पुलिस कमिश्नर पद पर रहे आज सहायक पुलिस कमिश्नर पद सदर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अनिल शर्मा एक बेहतरीन और नवाचार में विश्वास रखने वाले शानदार पुलिस अधिकारी हैं दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

आज का इतिहास

18 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- इंग्लैंड के किंग एडवर्ड ने 1290 में यहूदियों के निष्कासन का आदेश दिया।
- स्पेन के सैनिकों ने 1630 में इटली के मंतुआ प्रांत पर कब्जा किया।
- बेंजा लुका में लड़ाई के दौरान तुर्की सेना ने 1737 में आस्ट्रिया को पराजित किया।
- साप्ताहिक अखबार न्यूयार्क में 1743 को दुनिया में पहली बार आधे पृष्ठ का विज्ञापन प्रकाशित किया गया।
- ब्रिटेन के विख्यात खगोल शास्त्री विलियम हरशल ने 1781 में आकाश गंगा की वास्तविकता का पता लगाया।
- बंबई विश्वविद्यालय की स्थापना 1857 में की गई।
- ब्रिटेन में 1872 को चुनाव में गुप्त मतदान अधिनियम आया। इससे पहले मतदान खुले तौर पर किए जाते थे।
- फ्रांसीसी सैनिकों ने 1907 में कैसाब्लांका पर कब्जा किया।
- पहला वातानुकूलित पानी का जहाज 'मरिपोसा' 1931 में शुरू हुआ।
- यूरोपीय देश बेल्जियम लक्जमबर्ग और हॉलैंड के बीच एकता संधि पर 1932 को हस्ताक्षर किए गए.
- ब्रिटिश सेना ने 1943 में इटली के कटानिया शहर पर हमला किया।
- ब्रिटिश सैनिकों ने 1944 में नॉरमैंडी की बोर्केबस पर्वतीय श्रृंखला पर कब्जा किया।
- भारतीय संसद ने 1947 में विवश होकर इस देश के स्वाधीनता के क़ानून को पारित किया।
- उरुग्वे ने 1951 को संविधान स्वीकार किया।
- जर्सी जो वालकॉट सबसे अधिक उम्र में हैवीवेट चैंपियन 1951 में बने।
- पहली बार परमाणु ऊर्जा से उत्पादित बिजली को 1955 में व्यावसायिक रूप से बेचा गया।
- सीरिया में 1963 को सैन्य तख्तापलट विफल हुआ।
- कैलिफोर्निया के सेंता क्लारा में इंटेल कॉरपोरेशन की स्थापना 1968 में हुई।
- अफ़ग़ानिस्तान में राजशाही की समाप्ति एवं गणराज्य की स्थापना 1973 में हुई।
- वियतनाम संयुक्त राष्ट्र का 1977 में सदस्य बना।
- मिस्र और इजरायल के बीच दो दिवसीय अधिकारिक वार्ता 1978 में शुरू हुई।
- पूर्ण रूप से भारत निर्मित उपग्रह 1980 में 'रोहिणी-1' पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हुआ।
- टेलीविजन से पहला रंगीन प्रसारण मद्रास से किया गया।
- सोवियत रूस ने 1985 में भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- ब्राजील ने 1994 को चौथी बार विश्व कप फ़ुटबाल चैंपियनशिप जीती।
- फ़िलिस्तीन के ओसामा बरहाम को लगभग 6 वर्ष की क़ैद के बाद इस्त्रायल ने 1999में आज़ाद किया।

विशेष आलेख

मोटिवेशनल स्पीकर में नौकरी और करियर के अवसर

विजय गर्ग

एक प्रेरक वक्ता वह होता है जो दर्शकों को प्रेरित या प्रेरित करने के लिए बोलता है। प्रेरक वक्ता अपने जीवन के अनुभवों और ज्ञान का उपयोग दूसरों से बात करने और उन्हें कार्रवाई करने या अपना जीवन बदलने के लिए प्रेरित करने के लिए करते हैं। प्रेरक वक्ता को विपणन, प्रबंधन, खेल, या बिक्री जैसे विशिष्ट विषयों या नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने, आत्म-सम्मान का निर्माण, संघर्षों को हल करने, या संचार या उत्पादकता में सुधार जैसे विषयों में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। वे धार्मिक माहौल से आ सकते हैं या ऐसे व्यक्ति हो सकते हैं जिनके पास जनता के सामने बोलने और संदेश देने की शक्ति है। प्रेरक वक्ता साक्षात्कार देने में बहुत अच्छी तरह से शामिल हो सकते हैं, खासकर यदि वे एक अच्छी तरह से प्रचारित विषय पर काम कर रहे हों। वे स्कूलों, चर्चों, सामुदायिक कार्यक्रमों, सरकारी एजेंसियों, विशेष आयोजनों, ट्रेड शो और सम्मेलनों सहित विभिन्न वातावरणों की एक विस्तृत श्रृंखला में अपने भाषण दे सकते हैं। प्रेरक वक्ताओं को विभिन्न स्थानों की यात्रा करने और लोगों के समूहों के सामने अपनी प्रस्तुतियाँ देने के लिए भुगतान किया जाता है। प्रेरक वक्ता पात्रता शैक्षणिक योग्यता हालाँकि प्रेरक वक्ता बनने के लिए कोई आधिकारिक शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है, आमतौर पर मूल भाषा में हाई स्कूल डिप्लोमा या कॉलेज की डिग्री होना अपेक्षित है। आयु सीमा यदि उम्मीदवार प्रेरक वक्ता बनना चाहता है तो उसकी उम्र के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रेरक वक्ता के लिए आवश्यक कौशल एक महत्वाकांक्षी प्रेरक वक्ता को अपने पेशे में काफी प्रभावी होने के लिए निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है। आवश्यक कौशल हैं- उम्मीदवारों के पास उत्कृष्ट संचार कौशल होना चाहिए ताकि दर्शकों की जरूरतों के अनुसार उचित रूप से संवाद किया जा सके। प्रेरक वक्ता को पता होना चाहिए कि जानकारी को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए दूसरों से कैसे बात करनी है। उसे इस बात पर पूरा ध्यान देने की ज़रूरत है कि दूसरे लोग क्या कह रहे हैं, कही जा रही बातों को समझने के लिए समय लें, उचित प्रश्न पूछें और अनुचित समय पर बीच में न आएं। प्रेरक वक्ता को दूसरों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पता होना चाहिए और समझना चाहिए कि वे ऐसी प्रतिक्रिया क्यों देते हैं। उसे समय का प्रबंधन करना आना चाहिए। प्रेरक वक्ता को पता होना चाहिए कि वैकल्पिक समाधानों, निष्कर्षों या समस्याओं के दृष्टिकोण की ताकत और कमजोरियों की पहचान करने के लिए तर्क और तर्क का उपयोग कैसे किया जाए। उसे पता होना चाहिए कि नई चीजें सीखते या सिखाते समय स्थिति के लिए उपयुक्त प्रशिक्षण/निर्देशात्मक तरीकों और प्रक्रियाओं का चयन और उपयोग कैसे किया जाए। मोटिवेशनल स्पीकर कैसे बनें? मोटिवेशनल स्पीकर बनने के लिए इच्छुक उम्मीदवार को दिए गए चरणों का पालन करना होगा- स्टेप 1 सबसे पहले, उम्मीदवार को अपना स्कूल उत्तीर्ण करना होगा और किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी। हालाँकि, कुछ मूल भाषाओं या जनसंचार में स्नातक की डिग्री निश्चित रूप से एक सफल प्रेरक वक्ता के लिए आवश्यक संचार कौशल को बेहतर बनाने में मदद करेगी। चरण दो प्रेरक वक्ता बनने के लिए प्रमाणित होने के लिए उम्मीदवार को किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पोस्ट-सेकेंडरी प्रशिक्षण संचार डिग्री की आवश्यकता होती है। चरण 3 अपेक्षित प्रशिक्षण प्रक्रिया के बाद, कोई व्यक्ति कॉर्पोरेट सेक्टर, रक्षा संगठन, शैक्षिक संस्थानों आदि जैसे विभिन्न संगठनों में एक मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में नौकरी की तलाश कर सकता है या एक फ्रीलांस मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में अपना करियर बना सकता है। कुछ प्रतिष्ठित प्रेरक वक्ता प्रशिक्षण संस्थानभारत अनुराग अग्रवाल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग, नोएडा, उत्तर प्रदेश पेप टॉक इंडिया - अंग्रेजी, पब्लिक स्पीकिंग इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली भारत में प्रेरणा वक्ता - आनंद मुंशी, मुंबई मोटिवेशनल स्पीकर नौकरी का विवरण प्रेरक वक्ता लगभग हमेशा अनियमित घंटों तक काम करते हैं और वे आमतौर पर बड़े पैमाने पर यात्रा करते हैं। वेतन आम तौर पर प्रति अनुबंध होता है और जैसे-जैसे आपकी लोकप्रियता बढ़ती है, यह बढ़ सकता है। एक सफल, महत्वाकांक्षी प्रेरक वक्ता दर्शकों के सामने बोलने के किसी भी अवसर का तुरंत लाभ उठाएगा। सफल प्रेरक वक्ताओं को बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सम्मेलनों, स्कूलों, कॉलेजों आदि में बोलने का अवसर मिलता है। उन्हें दो अलग-अलग स्थानों की यात्रा करने के लिए भुगतान मिलता है जहां वे बोलते हैं।

प्रेरक वक्ता को जिस विषय पर बड़ी भीड़ के सामने बोलना है उस पर एक लंबी प्रस्तुति तैयार करनी होती है। वह अपने जीवन के अनुभवों, क्षमताओं, ताकत या कमजोरी का उपयोग कर सकता है ताकि भाषण को सभी के लिए दिलचस्प और समझने में आसान बनाया जा सके। उन्हें इस तरह बोलना होता है कि हर कोई प्रेरित और प्रेरित हो और उनके भाषण से सीख मिले. इस करियर में सफल होने के लिए, प्रेरक वक्ता को एक नया संदेश खोजना और देना होगा जो मायने रखता हो। मोटिवेशनल स्पीकर करियर की संभावनाएँ आज के परिदृश्य में, प्रेरक वक्ताओं की भारी मांग है; जिसका अर्थ है कि प्रेरक वक्ता बनने के लिए नौकरी के बहुत सारे अवसर हैं। पिछले दशक में नेशनल स्पीकर्स एसोसिएशन की सदस्यता में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो बोलने के पेशे में वृद्धि का संकेत है। हालाँकि, प्रेरक वक्ताओं के लिए नौकरी बाज़ार उनकी विशेषज्ञता और लक्षित दर्शकों पर निर्भर करता है। इस पेशे में बहुत प्रतिस्पर्धा है. मोटिवेशनल स्पीकर बनकर आप कॉर्पोरेट सेक्टर, शिक्षा क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं, रक्षा सेवाओं में सेवा दे सकते हैं और साथ ही राजनीति में भी अपना करियर बना सकते हैं। मोटिवेशनल स्पीकर का वेतन मोटिवेशनल स्पीकर का वेतनमान इस बात पर निर्भर करता है कि उसने कितने भाषण दिए हैं और उसका काम कितना प्रभावी है। आमतौर पर, प्रेरक वक्ताओं का वेतन रुपये के बीच होता है। 40,000 से रु. 50,000 प्रति माह. एक कुशल और अनुभवी मोटिवेशनल स्पीकर को रु. भी मिल सकते हैं. 1,00,000 से रु. भारत में प्रति माह 2,00,000। यह पेशा आपको लाखों कमाने का मौका दे सकता है।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारस्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष

मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें।

वृष

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मिथुन

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी।

कर्क

यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

सिंह

विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कन्या

दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। लेन-देन में लापरवाही न करें।

तुला

निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा।

वृश्चिक

आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं।

धनु

स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी।

मकर

सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कुंभ

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा।

मीन

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

आपसी रंजिश को लेकर युवक हत्या की

अस्पताल में परिजनों ने किया प्रदर्शन, एक गिरफ्तार

मृतक गणेश जाट

गांव लुहारा में हत्या के मामले को लेकर अस्पताल में पुलिस अधिकारियों से जानकारी लेते हुए विधायक वर्मा

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। गांव लुहारा में मंगलवार की देर शाम आपसी रंजिश के चलते एक युवक की धारदार हथियारों से हत्या कर दी। परिवार जनों ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर राजकीय सामुदायिक अस्पताल में प्रदर्शन किया और मृतक का शव लेने से इंकार कर दिया। पुलिस के आश्वासन के बाद मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल में विधायक रामसहाय वर्मा भी पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि मृतक गणेश के पिता रामजीलाल जाट ने सदर पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया है कि उसका 22 वर्षीय पुत्र गणेश जाट निवासी लुहारा मंगलवार की शाम को खेत पर जा रहा था। इसी दौरान बद्री जाट, गणेश जाट, रामजस जाट व कमला जाट ने एक राय होकर उसको धोखे से अपने बाड़े में बुलाकर सरिए, कुल्हाडी व गंडासे से जानलेवा हमला कर दिया। परिजन तुरंत ही मोटरसाइकिल से घायल युवक को निवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सदर थाना अधिकारी जयमल सिंह जाप्ते सहित निवाई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे व परिजनों से घटना की जानकारी ली। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मोर्चरी में रखवाया। घटना की सूचना पर चिकित्सालय में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। परिवारजन व ग्रामीण मुख्य आरोपी को गिरफ्तारी नहीं होने तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करने की मांग की और अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया। करीब 21 घंटे बाद पुलिस के आश्वासन के बाद मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस जाप्ता मौजूद रहा। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि मृतक युवक दो बहनों का इकलौता भाई था। उन्होंने बताया कि हत्या के आरोप में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा शेष आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद एफएसएल व एमआईयू टीमों को मौके पर बुलाया गया। टीमों ने मौके से साक्ष्य एकत्रित किए। अस्पताल में डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा सहित निवाई थानाधिकारी हरिराम वर्मा, सदर थानाधिकारी जयमलसिंह सहित दोनो पुलिस थानों का जाप्ता मौजूद रहा।

राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारियो ने पौधारोपण कर श्रीजी के किए दर्शन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। मालपुरा उपखण्ड की सुविख्यात धार्मिक नगरी डिग्गी स्थित श्री कल्याण जी महाराज के दर्शन करने से पूर्व विजयवर्गीय समाज के राष्ट्रीय, प्रदेश व स्थानीय सभा पदाधिकारियो ने पौधे लगाकर समाज द्वारा आयोजित सघन पौधारोपण अभियान का शुभारम्भ किया।

बुधवार को अखिल भारतीय विजयवर्गीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोटा के पूर्व महापौर महेश विजयवर्गीय, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सी.पी. विजयवर्गीय, टअखिल भारतीय विजयवर्गीय टोंक प्रदेश के अध्यक्ष कमलेश विजयवर्गीय नटवाड़ा वाले, पूर्व अध्यक्ष मुरलीधर विजयवर्गीय, विजयवर्गीय महासभा मालपुरा के स्थानीय अध्यक्ष हनुमान प्रसाद विजयवर्गीय, महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय अजमेरी वाले, प्रदेश महामंत्री चौथमल विजयवर्गीय, कन्हैयालाल विजयवर्गीय, रूपनारायण विजयवर्गीय भरथला वाले, नरेन्द्र विजयवर्गीय भरथला वाले, नवरतन विजयवर्गीय डोडवाड़ी वाले, किशन गोपाल सांखना वाले, महावीर प्रसाद विजयवर्गीय कोटा, रमेशचन्द विजयवर्गीय चांदसेन , कृष्णगोपाल विजयवर्गीय, पत्रकार रामजीलाल विजयवर्गीय वाले सहित अन्य कई विजयवर्गीय समाज के प्रबुद्धजन मौजुद रहे। इस दौरान सभी पदाधिकारियो श्री कल्याण जी महाराज के दर्शन कर समाज में सुख समृद्धि एवं विकास की कामना की। इस दौरान मन्दिर पुजारी परिवार की ओर से रामअवतार विजयवर्गीय डिग्गी वालो के सौजन्य से मालाऐं पहना कर एवं दुपट्टे भेंट कर स्वागत सम्मान किया गया। इससे पूर्व सभी पदाधिकारियो ने समाज द्वारा शुरू किए गए सघन पौधारोपण अभियान का पौधे लगाकर अभियान का शुभारम्भ किया।

सौगातो पर झूमे क्षैत्रवासी : विधायक चौधरी व मालपुरा के लाल केकड़ी विधायक शत्रुघ्न गौतम पर आम जन ने किया गर्व महसूस

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा विधानसभा क्षैत्र को राज्य विधानसभा में वित्त मंत्री दीया कुमारी द्वारा राज्य के पूरक बजट में मालपुरा विधानसभा क्षैत्र को दी सौगातो से मालपुरा क्षैत्रवासी झूम उठे।

बुधवार को वित्तमंत्री दीया कुमारी ने राज्य विधानसभा में पूरक बजट धोषणाऐं की। जिसमें जलदाय मंत्री व क्षैत्रीय विधायक कन्हैयालाल चौधरी के अथक प्रयासो से क्षैत्र की मुख्य मांग बीसलपुर बांध पर 147 करोड़ रूपये की लागत से पुलिया निर्माण होगा। इस धोषणा के साथ ही क्षैत्रवासियो के चेहरे खिल उठे। इस पुलिया के बन जाने के बाद क्षैत्र में पर्यटन को भी गति मिलेगी। बीसलपुर बांध पर पुलिया निर्माण की मांग क्षैत्रवासियो द्धारा पिछले काफी समय से की जा रही है। वहीं इस

धोषणा के बाद टोडारायसिंह कस्बे के हर आम जन के चेहरो पर खुशिया छाई है। क्षैत्रवासी इस धोषणा के बाद सड़को पर आतिशबाजी कर व एक दूसरे को गले लगाकर तथा वित्त मंत्री दीयाकुमारी जिन्दाबाद, जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के जिन्दाबाद के नारो से गूंजायमान किया। इस दौरान करूणानिधि शर्मा, अभिभाषक संघ अध्यक्ष रवि सोगाणी, जगदीश मोडक्या, आनन्द प्रजापत, श्याम सिंह, चन्दू सैनी, अमित वर्मा, अनुज जैन, राहुल दायमा, विष्णु स्वामी, सुनील भारत, सुमत गौड़, कैलाश कसोटिया, सहित अन्य सैकड़ो आम जन मौजुद रहे। दूसरी तरफ केकड़ी विधायक व मालपुरा के लाल शत्रुघ्न गौतम ने नसीराबाद-देवली मार्ग को फोरलेन सड़क निर्माण के लिए 650 करोड़ रूपये खर्च करने की धोषणा की। गौरतलब है कि गौतम इस सड़क निर्माण नहीं होने तक अपने पेरा में चप्पल नहीं पहनने की शपथ ली थी।गौतम की चप्पल वाली शपथ पूरी होने पर केकड़ी सहित अन्य क्षैत्रवासियो ने जमकर खुशियां मनाई। एक भेंट में केकड़ी विधायक गौतम ने बताया कि नसीराबाद देवली सड़क निर्माण को लेकर उन्होंने शपथ ली थी कि जब तक इस सड़क के निर्माण की धोषणा नहीं होगी तब तक वे अपने पेरो में चप्पल नहीं पहनेगें। प्रदेश की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने प्रदेश के पूरक बजट में नसीराबाद सरवाड़ केकड़ी देवली लगभग 96 किलोमीटर सड़क मार्ग के फोरलेन सडक निर्माण के लिए 650 करोड़ रूपये का प्रावधान कर मालपुरा क्षैत्र के विधायक एवं प्रदेश के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने बीसलपुर बांध पर पुलिया निर्माण की वहीं मालपुरा के लाल व केकड़ी के विधायक शत्रुघ्न गौतम ने अपने क्षैत्रवासियो को फोरलेन सड़क की सौगात देकर क्षैत्रवासियो को झुमने पर मजबूर किया।

देवशयनी एकादशी पर कल्याण जी महाराज पर सजी फूल बंगला झांकी व छप्पन भोग प्रसादी का महाभोग

इनसेट में कल्याण जी महाराज की आकर्षक व अनुपम झांकी दर्शन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। मालपुरा उपखण्ड की सुविख्यात धार्मिक नगरी डिग्गी कल्याण जी महाराज के मन्दिर में देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर आकर्षक फूल बंगला झांकी सजाई गई व छप्पन भोग प्रसादी का महाभोग लगाया गया बुधवार को श्री कल्याण जी महाराज के मन्दिर मे देवशयनी एकादशी के पावन अवसर पर ओमप्रकाश यादव जाजड़िया परिवार के सहयोग से आकर्षक फूल बंगला सजाई गई। जिसमें समूचे मन्दिर परिसर को फूलो से सजाया गया। साथ ही श्री कल्याण जी महाराज के छप्पन भोग का भोग लगाया गया। ट्रस्टी गिरिराज शर्मा ने बताया कि पुजारी लेखराज शर्मा एवं उनके परिवारजनो द्वारा इस मौके पर कल्याण जी महाराज की आकर्षक एवं नयनाभिराम फूल बंगला झांकी सजाई गई। दोपहर में छप्पन भोग प्रसादी का भोग लगाया जाकर प्रसादी का वितरण किया गया।

रामकथा महोत्सव को लेकर सौंपी जिम्मेदारियां

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। रामकथा आयोजन समिति एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मालपुरा के महेश सेवा सदन में अगस्त के अन्तिम सप्ताह 24 अगस्त से 2 सितम्बर तक आयोजित होने वाले भव्य एवं विशाल रामकथा महोत्सव को लेकर समितियों का गठन कर प्रभारी नियुक्त कर जिम्मेदारियो का बटवारा किया गया। बीति देर रात्रि महेश सेवा सदन में रामकथा आयोजन समिति एवं भारत विकास परिषद की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में हुए निर्णयो की जानकारी देते हुए भारत विकास परिषद के प्रवक्ता दिनेश विजय ने बताया कि बैठक में हुए सर्वसम्मति से निर्णय के अनुसार व्यवस्थापक रामबाबू परतानी, सह व्यवस्थापक डॉ. राजकुमार वर्मा, प्रचार प्रसार (प्रवक्ता) दिनेश विजय, क्रय एवं भुगतान समिति के प्रभारी सेवानिवृत लेखाकार ज्ञानचन्द जैन, गिरधारी आगीवाल, त्रिलोकचन्द विजय, भाजन व्यवस्था समिति के दशरथ मुंशी, महेश गुप्ता, ओमप्रकाश मांगधणा, जल एवं सफाई समिति के एडवोकेट पुरूषोतम सैनी, पूजन सामग्री व्यवस्था समिति के सेवानिवृत प्रधानाचार्य बालूराम गुर्जर, श्यामसुन्दर पाण्डेता, ओमप्रकाश शर्मा डेयरी वाले, टेन्ट व्यवस्था के रामबाबू परतानी, रामजीलाल शर्मो, कलश यात्रा के राजेन्द्र सैनी, मोतीलाल कारवाल, एडवोकेट कृष्णकांत जैन, व अशोक काबरा को जिम्मेदारी सौंपी गई।

नाड़ी में बालिकाओं ने गुड़ियों को किया विसर्जित, देवशवनी एकादशी मनाई

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी पर बुधवार को देवशयनी एकादशी मनाई गई। इसके साथ ही चार माह तक शादी विवाह, गृह प्रवेश व मुंडन सहित सभी मांगलिक कार्यो पर रोक लग गई। अब देवउठनी एकादशी 15 नवम्बर के बाद मांगलिक कार्य शुरू होंगे। देवशवनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में विश्राम करने चले जाते है। चातुर्मास में भगवान विष्णु विश्राम करते है और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। गांव के चारभुजा नाथ, लक्ष्मीनाथ व रघुनाथ आदि मंदिरों में देवशयनी एकादशी पर विशेष आयोजन हुए। मुरली मनोहर जी के मंदिर में ठाकुर जी की विशेष झांकी के दर्शन कराए गए। मुरली मनोहर मंदिर में बुधवार को दिन भर महिलाओं की मंडली ने भजन कीर्तन किया। पंडित घनश्याम शर्मा ने बताया कि ठाकुरजी के पंचामृत अभिषेक किया गया। ठाकुर जी का विशेष आभूषणों से अलंकृत कर सजाया गया। इसके बाद ठाकुर जी की आरती की गई। देवशयनी एकादशी पर युवतियों ने श्रेष्ठ वर की कामना के लिए कपड़े की गुडिया बनाकर धूली नाड़ी में बहाई गई। इस दौरान युवतियों ने गुडियाओं को नाडी में बहाने गए गुड व धानी का प्रसाद वितरित किया गया। देवशयनी एकादशी पर बालिकाओं ने गुड़ी का पर्व मनाया। बालिकाओं ने रंग बिरंगी कपड़ों से बनी गुडिया़ओं को लेकर सखियों के साथ धूली नाड़ी पर पहुंची और पूजा अर्चना कर तालाब में विसर्जित किया तथा शक्कर व गेहूं से बने प्रसाद का वितरण किया। सुबह से घरों में बालिकाएं दुल्हन रूपी गुडिया़ं बनाने में जुटी रही। देर शाम तालाब में गुडियों को विसर्जित किया।

ऑल इण्डिया मुशायरे को लेकर सोफिया स्कूल में बैठक-स्वागत

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। यहां 20 जुलाई को होने वाले ऑल इण्डिया मुशायरे को लेकर बुधवार को सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल टोंक में बैठक हुई। बैठक में शाला निदेशक शब्बीर नागौरी व अमीन भाई साहब व मियां नसीम बेग साहब व अनवर मियां, डॉ सुरूर साहब, सलीम मियां व राजीव पाल मौजूद रहे। निदेशक शब्बीर नागौरी ने बताया कि इस मौके पर मौजूद शिक्षाविद् शिवजी लाल चौधरी को मुशायरे का निमन्त्रण

पत्र दिया और साफा पहनाकर स्वागत किया। अंत मे शिवजीलाल चौधरी ने सम्मान करने पर आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में सोफिया स्कूल के निदेशक शब्बीर नागौरी ने सभी का आभार जताया।

तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा विधिक चेतना शिविर का किया आयोजन

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय बाढ पथराज कला व श्रीजगपुरा में विधिक चेतना शिविर का आयोजन किया गया। तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों को न्याय दिलाने हेतु किए गए प्रयासों से हैं। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय का मुख्यालय नीदरलैंड में स्थित है। तालुका विधिक सेवा समिति द्वारा ग्रामीणों को संस्था के उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार एवं तालुका अध्यक्ष तथा अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश महावीर महावर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति निवाई द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को जागृत करना है। इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा निबंध, पोस्टर, वाद विवाद, स्लोगन एवं भाषण प्रतियोगिता में बढ़ चढक़र भाग लिया। इस दौरान प्रभुलाल सैनी व पीएलवी केदारलाल बैरवा सहित कई लोग मौजूद थे।

आदित्य हरियाली पखवाड़े में लगाए पौधे

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। रोटरी क्लब मालपुरा ग्रीन व रोटरी क्लब मालपुरा सिटी द्वारा प्रान्तपाल डॉ. राखी गुप्ता के निर्देशानुसार आदित्य हरियाली पखवाड़े में कई स्थानो पर पौधे लगाए गए। रोटरी क्लब मालपुरा ग्रीन द्वारा शहर के बम्बा तालाब के मध्य में स्थित पवित्र एवं सुख्यिात धार्मिक स्थनी छतरेश्वर महादेव मन्दिर प्रागंण व राउप्रावि पीनणी में सघन पौधारोपण किया गया। आदित्य हरियाली पखवाड़े के प्रान्तीय संयोजक पवन जैन संगम ने बताया कि पूरे रोटरी प्रान्त 3050 के सभी रोटरी क्लब के प्रत्येक पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन एक एक पौधे आवश्यक रूप से लगाएगें। इधर रोटरी क्लब मालपुरा सिटी द्वारा गोद लिए हुए उपकारागृह परिसर में जेलर महावीर प्रसाद, क्लब के सहायक प्रान्तपाल डॉ. अकिंत जैन की मौजुदगी में पौधे लगाए गए। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सौभाग्य सिंह, सचिव सुनील जैन, राजेन्द्र तिवाड़ी, राजाराम शर्मा सहित क्लब के अन्य कई सदस्य मोजुद रहे।

विधायक रामसहाय वर्मा का बजट स्वीकृति पर सम्मानित करते हुए भाजपा के कार्यकर्ता

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। विधायक रामसहाय वर्मा का बजट स्वीकृति को लेकर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने विधायक वर्मा का बस स्टेंड पर माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत करके विधायक वर्मा व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इस अवसर पर भाजपा नेता रामप्रसाद शर्मा महाराजपुरा, करणसिंह राजावत, रामअवतार शर्मा, राजेश चौधरी, जितेन्द्र विजय, शिवराज चौधरी व मदनलाल वर्मा सहित कई भाजपा के कार्यकर्ता मौजूद थे।

मंगल वर्षा योग कलश स्थापना 23 को डिग्गी में

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (नि.स.)। अग्रवाल समाज चौरासी के तत्वावधान में अग्रवाल सेवा सदन में आचार्य श्री इन्द्रनन्दी जी महाराज के पावन सानिंध्य में आयोजित होने वाले 30वें वर्षायोग के लिए कलश स्थापना व मुनिदीक्षा दिवस समारोह का आयोजन 23 जुलाई मंगलवार को आयोजित होगा।

अग्रवाल समाज चौरासी, प्रबन्ध कमेंटी, मुनि सेवा समिति एवं सकल दिगम्बर जेन समाज डिग्गी की ओर से बताया गया कि 23 जुलाई मंगलवार को प्रतिष्ठाचार्य मनोज जैन शास्त्री व संगीतकार मुकेश मीत एण्ड पार्टी महुवा के निर्देशन में नित्याभिषेक, वृहद् शांतिधारा पूजन, प्रवचन, आहारचर्या, ध्वजारोहण, मंख उद्घाटन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्जलवन, मंगलाचरण, आचार्य श्री का उदबोधन, आचार्य श्री का पूजन, पाद प्रक्षालन, पित्रिछकाव शास्त्र भेंट के बाद आर्शिवचन व मंगल कलश स्थापना होगी।

चातुर्मास पत्रिका का किया विमोचन 21 जुलाई को होगा महाराज का मंगल प्रवेश

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। आचार्य निपुणनंदी महाराज एवं मुनि अनुसरण सागर महाराज के सानिध्य में निवाई चातुर्मास 2024 की मंगल प्रवेश एवं मंगल कलश स्थापना की पत्रिका का विमोचन जैन समाज टोंक एवं जैन समाज निवाई के लोगों द्वारा विमोचन किया गया। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज संघ का भव्य मंगल प्रवेश एवं कलश स्थापना समारोह 21 जुलाई को श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में बड़े धूमधाम से होगा। उन्होंने बताया कि मंगल प्रवेश का जुलुस बावडी वाले बालाजी के मंदिर से रवाना होकर बडा मंदिर, बडा बाजार, अहिंसा सर्किल होते हुए अग्रवाल मंदिर पहुंचेगा। इस दौरान जुलुस में घोडा, बग्गी, बेंड बाजा, महिला जयघोष निवाई व सवाईमाधोपुर, शाही लवाजमा, पुष्पक विमान से पुष्प वर्षा, जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए जाएंगे। इस दौरान जुलुस में जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा महाराज का पादपक्षालन किया जाएगा।

चातुर्मास का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ होगा। चातुर्मास का ध्वजारोहण दिनेश कुमार व मुकेशकुमार बनेठा के द्वारा किया जाएगा। पत्रिका विमोचन के दौरान मुकेश बनेठा, त्रिलोक हरभगतपुरा, रमेश बोहरा, नवरत्न टोंग्या, हितेश छाबड़ा, अशोक सांवलिया, विमल पहाडी, मनीष झिलाय, बंटी कठमाणा, पिंचू संघी, ललित सिरस, मनन जैन, महेंद्र सारसोप, बंटी कठमाणा सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

लोड सेटिंग के नाम पर बिजली कटौती से ग्रामीण परेशान

बढ़ता राजस्थान

दतवास(नि.स.)। कस्बे सहित क्षेत्र में विद्युत अव्यवस्था बिगड़ी हुई है। वहीं सिरोही गांव में रात में लोड सेटिंग के नाम पर कई घंटे विद्युत की अघोषित कटौती के चलते लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। रात्रि के समय बिजली की अव्यवस्था इस कदर रहती है कि 4 से 5 घंटे बिजली गुल होती है। ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि के समय 10 .00 बजे से 2 .00 तक लोड सेटिंग के नाम पर घंटों बिजली की कटौती हो रही है। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने जिला कलेक्टर से विद्युत कटौती रुकवाने की मांग की है। इस बारे में विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हमारे यहां से कोई लोड सेटिंग के नाम पर विद्युत कटौती नहीं की जा रही है।

ईमाम हुसैन की याद में मोहर्रम पर निकाले ताजिया

बढ़ता राजस्थान

निवाई(का.स.)। ईमाम हुसैन की याद मे मोहर्रम पर बुधवार को ताजिये निकाले गए। मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष जमील पटेल ने बताया कि मोहर्रम पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पप्पु देशवाली के मकान से ताजिया रवाना होते हुए मुख्य बाजार होते हुए बडा बाजार पहुंचे जहां से रवाना हो कर फिर से ताजिये को भरकुआ तालाब में ले जाकर दफनाया गया। इस अवसर पर उस्ताद शकील लुहार, पार्षद अल्लाहरख्खा देशवाली, निजामुदीन शाह, बाबू मंसूरी, अकील देशवाली, नजर मोहम्मद, सद्दाम शेरा, मुबारक शाह, समीर, शाहरुख, आसिफ मंसूरी, ईकराम, युसुफ शाह सहित कई लोग मौजूद थे।

एसओजी ने पकड़ा 50 हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय तस्कर पोखर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त 50 हजार रुपये का इनामी अन्तर्राज्यीय तस्कर पोखर खटीक को इम्फाल (मणिपुर) से निरुद्ध किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी राजस्थान, जयपुर वीके सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि मादक पदार्थ के अन्तर्राज्यीय तस्कर व 50 हजार रूपये का ईनामी पोखर खटीक निवासी मण्डफिया जिला चितौडगढ़ काफी समय से फरार चल रहा है व नार्थ ईस्ट में छुपे होने की संभावना है।इस पर पुलिस महानिरीक्षक एटीएस राजस्थान अंशुमन भौमिया के निर्देशन में एटीएस की एक टीम गठित की गई। टीम के द्वारा पोखर खटीक के पूर्व आपराधिक रिकार्ड, गिरोह के सदस्य एवं अन्य राज्यों में आपराधिक व्यक्तियों के बारे में सूचना प्राप्त कर नार्थ-ईस्ट में छिपे होने की पुष्टि होने पर एक टीम को मणिपुर इम्फाल भिजवाया गया। जहां पर टीम के द्वारा फील्ड वेरिफिकेशन व विभिन्न एजेंसियों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण कर इम्फाल में मंत्रिपुखरी नामक स्थान पर घनी आबादी में मौजूद एक फ्लैट को चिन्हित किया। साथ ही उसी बिल्डिंग में अपने आप को किरायेदार के रूप में प्रदर्शित कर फ्लैट को वेरीफाई किया। मणिपुर में हो रहे कुकी व मैतेई संघर्ष के बीच अपनी पहचान छुपाते हुए मंत्रिपुखरी में घनी आबादी में मौजूद चिन्हित फ्लैट से अन्तर्राज्यीय तस्कर पोखर खटीक को निरुद्ध किया गया। पोखर खटीक के विरुद्ध राजस्थान के विभिन्न थानों पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है। गौरतलब है कि 27 अक्टूबर को एक टेम्पू से 1 किलो 319 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए मौली पाउडर जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया था एवं वांछित आरोपित पोखर खटीक फरार चल रहा था।

जयपुर की विरासत और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए फोरहेक्स फेयर की तैयारियां जोरों पर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर की कला और संस्कृति को बढ़ावा और प्रमोट करने तथा लोगों में हस्तशिल्प कला की धरोहर के प्रति जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से फेडरेशन ऑफ राजस्थान हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स (फोरहेक्स) अपने सबसे प्रसिद्ध कार्यक्रम फोरहेक्स फेयर के 10वें संस्करण को लेकर काफी उत्साहित है। बहुप्रतीक्षित यह 4 दिवसीय फेयर 9 से 12 अगस्त तक जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा।

इस फेयर में बड़े-बड़े एक्सपोर्ट्स और आर्टिजंस हिस्सा लेंगे जिनमें प्रमुख है - जयपुर फर्नीचर, रतन टैक्सटाइल, पोद्दार एसोसिएट्स, आर्टिसना, दिलीप ट्रेडिंग, हस्तकला और कारीगिरी। इसके साथ ही, फेयर में आगुन्तक विभिन्न राज्यों के कुशल कारीगरों द्वारा की गयी हैंडलूम वीविंग, कालीन बुनाई, चमड़ा शिल्प, मधुबनी पेंटिंग, स्टोन आर्ट, वायर इनले, तारकशी, मीनाकारी, सांगानेरी ब्लॉक प्रिंटिंग, ब्लू पॉटरी, चमड़े की जूतियाँ, पीतल के हस्तशिल्प जैसे शिल्प और उत्पादों की विविध रेंज का एक ही छत के नीचे आनंद ले सकेंगे। इस फेयर में सभी आर्टिजंस को एमएसएमई की सब्सिडरी भी उपलब्ध करवाई जा रही है जिस से की वह भी जोर-शोर से इसमें पार्टिसिपेट कर अपनी कला का प्रदर्शन कर सके। साथ ही में फेयर में सभी डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स को भी आमंत्रित किया जा रहा है जिससे वह इंडस्ट्री से जुड़ कर प्रोडक्ट्स की डिज़ाइन की बारीकियों और मार्किट की डिमांड को अच्छे से समझ सके। फोरहेक्स फेयर कमेटी के प्रेसिडेंट जसवंत मील ने कहा कि इस वर्ष फेयर में उत्तर भारत की लीडिंग आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिज़ाइनर, रितु खंडेलवाल इस वर्ष फोरहेक्स फेयर की चीफ क्यूरेटर होंगी।

फोरहेक्स फेयर कमिटी के वाइस प्रेडिसेंट अतुल पोद्दार ने कहा कि इस फेयर का उद्देश्य कारीगरों को उद्योग से जोड़कर उनके माध्यम से समाज की सेवा करना है। फेयर में आगंतुक विभिन्न राज्यों के कुशल कारीगरों के असाधारण काम को देख सकते हैं। इसके अलावा फेयर होटल इंडस्ट्री, बिल्डर्स और इंटीरियर डिजाइनर्स के लिए सोर्सिंग का सबसे कुशल प्लेटफार्म साबित होगा।

फोरहेक्स के सेक्रेटरी रवि उतमानी ने बताया कि कि इस वर्ष फोरहेक्स फेयर के विरासत और हस्तशिल्प के भव्य उत्सव में 150 से अधिक पार्टिसिपेंट्स शामिल होंगे, जो हस्तशिल्प, वस्त्र, होम डेकोर, फर्नीचर, लाइटिंग, कालीन, मिट्टी के बर्तन और अन्य उत्तम उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित करेंगे। फेयर में 2100 वर्ग मीटर का एक विशाल एग्जिबिशन एरिया होगा जहां 150 से अधिक बूथों को इंस्टॉल किया जाएगा। इसमें पूरे भारत के आर्टिजंस शामिल होंगे, जिसमें मुरादाबाद, सहारनपुर, फिरोजाबाद, खुर्जा, पानीपत, संबल, श्रीनगर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर आदि प्रमुख शहर है।

ईएफ पॉलिमर के को-फाउंडर, अंकित जैन को वन महोत्सव कार्यक्रम में सम्मानित किया गया

राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र में अपने प्रोडक्ट 'फसल अमृत' द्वारा किए सराहनीय कार्य, मिट्टी सुधारने का काम करता है 'फसल अमृत', 20 से 30 प्रतिशत बढ़ सकती है फसल की पैदावार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। ईएफ पॉलिमर के को-फाउंडर, अंकित जैन को अरिड फ़ॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से 'वन महोत्सव' कार्यक्रम के दौरान कृषि के क्षेत्र में किए गए असाधारण परिवर्तन के लिए सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम की थीम 'एक पेड़ मां के नाम' रही। इस दौरान सेवानिवृत्त भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी, किशन सिंह जसोल बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। बता दें अंकित को यह सम्मान राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्र में अपने प्रोडक्ट 'फसल अमृत' द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए दिया गया है जिसकी मदद से उन्होंने न सिर्फ बंजर जमीन को हरा-भरा कर दिखाया बल्कि किसानों के जीवन को नई राह देने का काम किया। फसल अमृत एक ऑर्गेनिक प्रोडक्ट है जो मिट्टी सुधारने का काम करता है जिससे फसल की पैदावार 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है। फसल अमृत मिट्टी में पानी की धारण क्षमता, पौधों को पोषण प्रदान करता है, और जैविक कार्बन को भी बढ़ाता है।

औषधि निर्माता कंपनियों को अनुभवी चिकित्सकों से साझा कर उन्हें आधूनिक स्वरूप देने एवं उच्च क्वालिटी की यूनानी दवाइयां बनानी चाहिए : डॉ. लियाकत अली मंसूरी

यूनानी चिकित्सा में और अधिक नवीन शोध की आवश्यकता जिसमें आपातकालीन चिकित्सा की उपलब्धता हो

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। वर्तमान में कई नए नए रोगों को देखते हुए यूनानी चिकित्सा में और भी अधिक नवीन शोध की आवश्यकता पड़ती नज़र आ रही है , क्योंकि समय के साथ नई-नई बीमारियों का आगमन हो रहा है साथ ही यूनानी चिकित्सा में पुराने वक्त से चली आ रही दवाईयां और खुराक की मात्रा आज भी वही है ऐसे में नवीन शोध आवश्यकता हैं और वर्तमान में अब शारीरिक परिस्थितियां बदलने से दवा की मात्राएं भी बदलने की आवश्यकता हैं । साथ ही दवाईयों को मरीज़ आसानी से ले सकें इसके लिए नवीन प्रयास करने चाहिए । जैसे कि अस्थमा और सीओपीडी में इन्हेलर का इस्तेमाल । इन्हेलर से दवा सीधे फेफड़ों में जाती हैं जिससे मरीज़ को तुरन्त आराम मिलता हैं । इसके लिए हम धतूरा पत्र,अजाराकी ,जुफा का प्रयोग कर श्वसन क्रिया के लिए इन्हेलर तैयार कर सकते हैं । इसी तरह से पाइल्स चिकित्सा में गुदीय ध्रुवन क्रिया से मस्सों को जला सकते हैं इसके लिए सींग का बुरादा, बंदर का सूखा मल, भांग की पत्तियां का इस्तेमाल करते हैं । इसी तरह से मंजन या टूथ पेस्ट में निम्बू का छिलका , शहतूत रस,करीर मूल और खाने के सोड़े के इस्तेमाल से मुंह की समस्त बीमारियां ठीक होती हैं यहां तक की इनसे छाले और कैंसर जैसी बीमारी भी पास नहीं आती हैं। वर्तमान में भागदौड़ वाले जीवन में चटनियों की जगह उन्हें कम मीठी सीरप, कैप्सूल, कोटेड टेबलेट के रूप में ज्यादा उत्पादित करने चाहिए और उन्हें स्ट्रिप में पैकिंग करनी चाहिए ताकि उन्हें आसान तरीके से खरीदा व इस्तेमाल किया जा सके और यात्रा करते समय ले जाने आसानी रहें । साथ ही इन उत्पादों में मीठे का प्रयोग कम से कम किया जाना चाहिए या शूगर फ्री उत्पादों पर ज्यादा ज़ोर देना चाहिए । सभी उत्पादों के निर्माण में शुगर मरीजों का ध्यान रख कर ही बनाया जाना चाहिए । इनमें ज्यादा मिठास होने से यूनानी दवाईयों को मीठी चटनियों के नाम से जाना जाता हैं । यूनानी चिकित्सा में देखा गया है कि शूगर वाले मरीजों में अन्य बिमारी का ईलाज करने में काफ़ी परेशानी आती हैं , ऐसे में आज शूगर फ्री यूनानी दवाओं का अभाव वाली समस्या को दूर करने की जरूरत है । इसी तरह से दवा निर्माताओं को भी समय समय पर अनुभवी चिकित्सकों से आमुखीकरण के माध्यम से शोध की कार्यशाला आयोजित करने चाहिए और उनसे सुझाव लेने चाहिए । सभी यूनानी चिकित्सक यूनानी चिकित्सा ही करें ताकि इस पैथी की उपयोगिता बढ़े ।

वन विभाग के दो क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) एवं एक वनपाल पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की राजसमंद टीम ने मंगलवार देर रात कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) जिला राजसमंद के बलराम पाटीदार, क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेंजर) डूंगरपुर के लोकेश एवं कार्यालय क्षेत्रीय वन अधिकारी डूंगरपुर के वनपाल अशोक को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की राजसमंद टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि वन विभाग डूंगरपुर द्वारा पकड़ी गई लकड़ी की गाड़ी को छोड़ने एवं बिछीवाड़ा नाके पर बिना रोक- टोक आवागमन की एवज में मासिक बंधी के रूप में रेंजर लोकेश एवं वनपाल अशोक द्वारा 45 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग की जा रही है। आरोपित रेंजर लोकेश द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत राशि क्षेत्रीय वन अधिकारी बलराम पाटीदार को देने के लिए कहा।

जिस पर एसीबी राजसमंद टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत सिंह चारण के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन का ट्रैप की कार्यवाही करते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी(रेंजर) जिला राजसमंद बलराम पाटीदार को परिवादी से पांच हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया है। वहीं इस मामले में क्षेत्रीय वन अधिकारी (रेजर) लोकेश एवं वनपाल अशोक को डूंगरपुर से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया है।

मकान-दुकान से लाखों की चोरी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। शहर में सूने मकान-दुकान को निशाना बनाकर चोर लाखों रुपए की नकदी व जेवरात ले गए। पुलिस के अनुसार जेम्स कॉलोनी सेक्टर-3 निवासी अभिषेक भारद्वाज ने विद्याधर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ बाजार गया था पीछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और करीब ढाई लाख रुपए की नकदी, सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 8 लाख रुपए का सामान ले गए।

घटना का पता पीड़ित को घर वापस लौटने पर लगा। घर लौटा तो मकान का ताला टूटा हुआ था और मकान के सभी कमरों का सामान बिखरा हुआ था। घटना 15 जुलाई की शाम 6.30 से 7 बजे की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शंकर नगर निवासी योगेश कुमार शर्मा ने ब्रह्मपुरी थाने में मामला दर्ज करवाया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। 14/15 जुलाई की रात चोर मकान का ताला तोड़कर जेवरात व नकदी ले गए। घटना का पता अगले दिन उसे घर लौटने पर लगा। इस पर पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने साक्ष्य लेकर जांच शुरू कर दी है। लालचंदपुरा निवासी सीताराम उर्फ हेतराम ने करधनी थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसकी निवारू रोड पर दुकान है। वह रात को दुकान बंद करने के दौरान दिनभर की ग्राहकी के रुपए गल्ले में भूल गया। चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और गल्ले से 2 से सवा दो लाख रुपए की नकदी ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना 15 जुलाई की रात की है।

पुलिस हैड कांस्टेबल सात हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की डूंगरपुर टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना चौरासी मुख्यालय झोथरी जिला डूंगरपुर के पुलिस हैड कांस्टेबल कारूलाल यादव को परिवादी से सात हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की डूंगरपुर टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके द्वारा दर्ज कराये गये मुकदमें में मदद करने की एवज में पुलिस हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव दस हजार रूपये की रिश्वत राशि की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी की डूंगरपुर टीम के पुलिस उप आधीक्षक रतन सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए पुलिस हेड कांस्टेबल कारूलाल यादव को सात हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया है।

अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद् के द्वारा राष्ट्र की 75,000 गौ शालाओं के संवर्धन हेतु ज्ञापन सौंपा

गौमाता को राष्ट्र माता बनाने की मांग, गौशालाओं के संवर्धन के लिए गौशाला आयोग के गठन की मांग की

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जयपुर में दिनांक 17/07/2024 को अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक डॉ0 अतुल गुप्ता ने राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात कर भारत राष्ट्र के प्रधान नायक नरेंद्र मोदी जी से गौ माता को राष्ट्र माता बनाये जाने का आव्हान किया, तथा सभी गौशालाओं की गौमूत्र व गाय के गोबर के माध्यम से स्वाबलंबी व आर्थिक सशक्तिकरण करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया द्य उन्होंने बताया कि गाय भारत की व हम सभी की आत्मा है । भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में गौमाता का विशेष योगदान रहेगा । ईस मुलाकात में माननीय ने अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के 39 सूत्रीय मांगपत्र को भी राष्ट्र के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के माध्यम से इसे राष्ट्र नीति बनवाने में भी अपनी सहमति प्रदान की, तथा गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की सहमति भी दी ।

ये है प्रमुख मांगे :

1. राज्य में अधिकृत वित्त पोषित गौशालाओं की संख्या लगभग 3,500 है, जिनके पास कुल गौवंश लगभग 13,00,000 के आस पास है । उसका गोबर एक दिन में प्रति गाय से लगभग 10 किलोग्राम निकलता है, जो एक दिन में 1,30,00,000 कि0 ग्रा0 होता है । जो कि मासिक स्तर पर 3,90,00,000 कि0 ग्रा0 तथा वार्षिक सत्तर पर 47,45,,000 टन होता है। इस गोबर की मात्रा का यदि उच्च गुणवत्ता का खाद तैयार किया जाये तो इसको 10/- प्रति कि0 ग्रा0 की दर से बेचा जाये तो राज्य सरकार को 47,45,00,00,000 (रूपए 47अरब 45करोड़ मात्र) रूपए की राजस्व की प्राप्ति होगी ।
2. गौमूत्र मनुष्य एवं कृषि हेतु एक बहुमूल्य दवा है । गौमूत्र के कलेक्शन में सरलता लाने के लिए MNIT, IIT KANPUR, IIT MUMBAI, IIT DELHI, IIT VARANASI व अन्य IIT के साथ MOU करके गौमूत्र कलेक्शन गैजेट्स का निर्माण कराया जाये । उस हेतु बजट में उचित प्रावधान किया जाये।
3. पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा से सूखा चारा लाया जा रहा है । 1,76,000 हेक्टेयर उपजाऊ भूमि होने के वावजूद पशुओं को चारा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है ।अत: नेपियर ग्रास की खेती को व्यावसायिक स्तर पर ग्रीन फोडर की समस्या के समाधान हेतु ह्लह्र व वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किसानों को खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाये, इस हेतु भी बज़ट में प्रावधान किया जाये ।
4. इंटरनेशनल ट्रेड फेयर जो की 14 नवंबर से 29 नवंबर तक हर साल होता है, उसमें अलग से गौशालाओं के लिए बिक्री केंद्र नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाए, इसका प्रावधान रखा जाए।
5. राज्य में अभी तक लगभग 3500 गौशालाओं में 13 लाख गौवंश है, तथा लगभग 1 करोड़ 37 लाख गौवंश गौशाला विहीन है द्य इसी क्रम में सरकार से अनुरोध है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में लगभग 50 लाख गौवंश को गौशालाओं में स्थापित करने हेतु आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ती के लिए प्रावधान करे ।
6. गौशालाओं में महिलाओं का स्थान कार्यकारिणी में होना चाहिए ।
7. गौवंश के गौलोकवास के उपरांत उनके विधिवत अंतिम संस्कार हेतु बजट में समुचित प्रावधान किये जाएं ।
8. गौशाला भूमि का गौशालाओं के नाम, नामांतरण प्रक्रिया सरल हो द्य इस उद्देध्य से गौचर भूमि के लिए केंद्र स्तर पर आयोग का गठन किया जाये ।
9. लाखों की तादात में गौ माताएं रोड पर अभी भी विचरण करती हैं, उनको और दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को अनुकूल वाहन के द्वारा निकटतम गौशालाओं में पहुंचाने का प्रयास किया जाए, तथा उनके उपचार, रख रखाव, खाद्य सामग्री के लिए होने वाले व्यय के लिए एवं उसके लिए शेड आदि की व्यवस्था का बजट में प्रावधान किया जाए ।

इस राष्ट्रव्यापी कार्य को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने के दृश्टिकोण से आगामी माहों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिसमे सभी शंकराचार्य, प्रमुख गौ भक्त, राज्य नायक, राष्ट्र नायक व अन्य गणमान्य महानुभाव मौजूद रहेंगे ।

'फ्रेंडशिप विद द नेचर' का संदेश देगी त्रिमूर्ति मानसून रन

फिटनेस एवेयरनेस के लिए 4 अगस्त को आयोजित होगा त्रिमूर्ति मानसून रन का 8वां एडिशन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। गुलाबी नगर को फिटनेस फ्री बनाने एवं पेड़ों से दोस्ती का ध्येय लेकर त्रिमूर्ति बिल्डर्स और जयपुर रनर्स क्लब के संयुक्त तत्वावधान और बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज व जीसीएल के सहयोग से त्रिमूर्ति मानसून रन का आयोजन किया जा रहा है। फ्रेंडशिप डे पर यानी 4 अगस्त को कुकस में मानसून रन का 8वां एडिशन का आयोजन होगा जिसमें बड़ी संख्या में रनर्स भाग लेंगे। इसी कड़ी में बुधवार को जयपुर रनर्स क्लब के महेश नगर ज़ोन स्थित परशुराम पार्क में प्री-मानसून रन फिटनेस कैंप का आयोजन किया। इस कैंप में सभी उम्र के प्रतिभागियों ने व्यायाम, योग और अन्य फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लिया। महेश नगर ज़ोन के डायरेक्टर उमेश सैनी, रचना विजय और सतीश कौशिक के नेतृत्व एवं सुनिल गौड़ के सहयोग से रोहन मिश्रा और प्रदीप यादव ने इस फिटनेस कैंप को लीड किया। जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा बागड़ा ने बताया कि फ्रेंडशिप डे के अवसर पर 4 अगस्त को त्रिमूर्ति मानसून रन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन तीन कैटेगरी में होगा, जिसमें 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की रन में शहर के विभिन्न हिस्सों से धावक हिस्सा लेंगे। रवि गोयंका और जयपुर रनर्स क्लब के को-फाउंडर मुकेश मिश्रा ने आयोजन की अधिक जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन का मकसद शहर में फिटनेस एवेयरनेस के साथ साथ हरियाली को बढ़ावा देना भी है। इसके लिए रनर्स दौड़ते हुए रास्ते में पौधों के बीज गिराते हुए आगे बढ़ेंगे ताकि त्रिमूर्ति मानसून रन का ध्येय 'फ्रेंडशिप विद द नेचर' को पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि यह आयोजन का आठवां संस्करण है, जिसमें बड़ी संख्या में रनर्स के हिस्सा लेने की उम्मीद की जा रही है।

टोंक आए जोशी उप चुनावों के लिए 'ऊपर' से भेजे जाने वाले प्रत्याशी के लिए माहौल बना गए

कार्यकर्ताओं से कहा, जिसे भी टिकट मिले उसका साथ देना है, बगावत ना हो इसके लिए कार्यकर्ताओं से हाथ उठाकर संकल्प कराया

कार्यसमिति की बैठक में देवली-उनियारा विस उप चुनाव पर ही हुई चर्चा

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। वृहद जिला कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के बहाने टोंक आए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी ने देवली-उनियारा विधानसभा उप चुनाव के लिए 'ऊपर' भेजे गए प्रत्याशी को स्वीकार कर उसके पक्ष में जी-जान से मेहनत कर उसे जिताने का माहौल बनाया। मंच से चुनाव प्रभारी राजेन्द्र राठौड़, मंत्री हीरालाल नागर और जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने भी यही काम किया यहां तक कि कार्यकर्ताओं से हाथ ऊपर उठवाकर कोई भी प्रत्याशी आए, उसके पक्ष में एकजुट होकर काम करने की हामी तक भरवा ली। ऐसे प्रयासों को कार्यकर्ता समझ भी रहे थे, उनमें से कुछ ने इस पर टिप्पणी भी की और यहां तक कह डाला कि देवली-उनियारा के उप चुनाव के लिए प्रत्याशी तय हो चुका है, माहौल बनाया जा रहा है और एक दिन प्रत्याशी के नाम की भी 'परची' ही आएगी। झुंझुनूं, दौसा के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बुधवार शाम को टोंक आए थे। वे यहां चतुर्भुज तालाब स्थित जैन नसियां में आयोजित जिला स्तरीय वृहद कार्य समिति की बैठक में शामिल हुए। हालांकि ये बैठक कम कार्यकर्ताओं की सभा ज्यादा लग रही थी।

अपने सम्बोधन में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की योजनाओं को गिनाया और कहा कि आजादी के बाद यह पहला मौका है जब ऐसी लोक कल्याण की भावना रखने वाली डबल इंजन सरकार आई है। उन्होंने प्रदेश के हाल ही पेश हुए बजट को 'आदर्श' करार देते हुए कार्यकर्ताओं से इसका अधिक से अधिक प्रचार कर देवली-उनियारा विस के उप चुनावों में वोट मांगने की बात कही। उन्होंने दावा किया इस बार उप चुनावों में भाजपा अपना परचम लहराएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जोशी ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा की कांग्रेस के नेताओं की भाषा के पीछे विदेशी ताकतें काम कर रही है कांग्रेस का नेता कहता है की हिन्दू हिंसक होता है, अरे हिन्दुओं ने अपनी त्योंरिया चढ़ा ली तो आप को इटली जाना होगा। आरक्षण के नाम पर झूठ फैलाने वाली कांग्रेस को समझ लेना चाहिए की आजादी के बाद पहली बार जम्मू कश्मीर के दलित भाइयो को पहली बार आरक्षण मिला, बाबा साहब को चुनाव हराने का काम किसने किया, बाबा साहब की तस्वीर को संसद मे इसी कांग्रेस ने नहीं लगने दिया, ये वही कांग्रेस है जिसके राज मे चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया कांग्रेस सरकार के नीतियों और नीयत की निंदा करते हुए जोशी ने कहा कि उनके राज में प्रदेश कई सालों पीछे चला गया। अब भजनलाल शर्मा की सरकार आई है तो अगले दो सालों के बाद प्रदेश की बिजली उपलब्धता, पानी-चिकित्सा और सुविधाएं आत्मनिर्भर की स्थिति में होगी।

केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार किसान हितैषी : मंत्री हीरालाल नागर और राजेन्द्र राठौड़ ने केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को किसानों की हितैषी, महिलाओं की सुरक्षा करने वाली और गरीब, मजदूर और असहायों का ध्यान रखने वाली सरकार बताया और उनके नाम पर देवली-उनियारा में वोट मांगकर भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की। मंत्री नागर ने कहा कि कांग्रेस राज में प्रदेश में बिजली उत्पादन ठप था और कर्जा लेकर बाहर से बिजली खरीदी जा रही थी। उन्होंने बिजली महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि अगले दो-ढाई सालों में प्रदेश बिजली के मामले में आत्मनिर्भर की स्थिति में होगा। किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी। भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता ने वहां मौजूद भाजपा पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं से कहा कि वे जोशी को पक्का आश्वस्त करें कि वे देवली-उनियारा विस उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को जिताकर भेजेंगे। मेहता ने कहा कि आजादी के बाद यह पहला मौका है जब लोगों के विकास के काम तत्काल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की शुरुआत भी टोंक से की, यह हमारे लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, अतर सिंह, पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, निवाई विधायक रामसहाय वर्मा, देवली उनियारा विधानसभा प्रत्याशी विजय बैंसला जिला प्रमुख, पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, सतीश चंदेल, दीपक संगत, पूर्व जिला प्रमुख सत्यनारायण चौधरी, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, बाबूलाल शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री रामचंद्र गुर्जर, जयनारायण वर्मा, नमो गौतम, मण्डल अध्यक्ष राजेश शर्मा, शैलेन्द्र जैन, रमेश गढ़वाल, शशि जैन, नरेंद्र अजमेरा, सीताराम चावला, दिनेश विजय,नेहा विजय सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विज्ञान विषयाध्यापकों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

प्रयोग आधारित शिक्षण से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता विकसित होगी : राठौड़

बढ़ता राजस्थान

चूरू (सुरेश शर्मा)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चूरू में मंगलवार को जिले के सभी ब्लॉकों के विज्ञान विषयाध्यापकों के लिए कक्षा 6 से 10 के पाठ्य पुस्तक आधारित दो दिवसीय प्रायोगिक कार्य प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया। डाइट प्राचार्य एवं डीईओ माध्यमिक गोविन्द सिंह राठौड़ ने कहा कि विज्ञान शिक्षक विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं को अधिकाधिक प्रयोग के माध्यम से तथा घरेलू उपकरणों की मदद से सिद्धांतों को स्पष्ट करें। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मकता विकसित होगी और उन्हें विज्ञान के चमत्कारों के प्रति अधिक रूचि उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है। विज्ञान शिक्षण को रूचिकर बनाना समय की आवश्यकता है। इसलिए प्रयोशाला व विज्ञान किट का उपयोग करते हुए शिक्षण जरूरी है। इस दिशा में विज्ञान शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।उन्होंने विज्ञान शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ विज्ञान के सिद्धांतों को अनुभव कराने के लिए उत्साहित किया और इस प्रशिक्षण के माध्यम से उनके शिक्षण कौशल को सुधारने का संकल्प दिलाया। मुकुल भाटी ने कहा कि विज्ञान शिक्षण को जीवन से जोड़ते हुए सीखने के प्रतिफल पर आधारित प्रायोगिक कार्य करवाएं। शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभागाध्यक्ष नरेंद्र कुमार उपाध्याय ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रायोगिक विज्ञान में रूचि उत्पन्न करने, विज्ञान के सिद्धांतों को अनुभव के माध्यम से समझाने और उन्हें नवाचारी तरीकों से पढ़ाने के लिए विज्ञान विषयाध्यापकों को प्रेरित करना है। संदर्भ व्यक्ति सुनिल कुमार शर्मा ने कक्षा 6 से 10 की विज्ञान पाठ्यक्रम के अनुसार प्रयोगों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान नरेंद्र कुमार उपाध्याय व आरपी सुनिल कुमार शर्मा ने कक्षा 6 से 10 तक विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम पर आधारित प्रयोग करके प्रशिक्षण दिया। संभागियों ने भी प्रयोग व गतिविधियां संपादित करते हुए विज्ञान शिक्षण का प्रशिक्षण प्राप्त किया। गौरतलब है कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान चूरू के तत्वाधान में आयोजित विज्ञान विषय प्रायोगिक कार्य के दो दिवसीय प्रशिक्षण में जिले के चूरू, तारानगर, बीदासर, राजगढ़, सरदारशहर, सुजानगढ व रतनगढ़ आदि सभी ब्लॉकों के विज्ञान शिक्षक भाग ले रहे हैं। इस दौरान डॉ विजय लक्ष्मी शेखावत, कुसुम शेखावत, उमा सारस्वत, संत कुमार, संदीप महरोलिया, बजरंग लाल मीणा, हंसराज मीणा, अमित ढाका, ओमप्रकाश बारूपाल, भीष्म सहारण, डॉ पीयूष शर्मा, गिरीश स्वामी व डाइट स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

सरदारशहर की धरा पर शिक्षा के क्षेत्र में लाईब्रेरी पीजी व कोचिंग क्लासेस के त्रिवेणी संगम का आगाज

बढ़ता राजस्थान

सरदारशहर (नि.स.)। सनसाईन लाईब्रेरी, पीजी व कोचिंग क्लासेस की ग्राण्ड ओपनिंग सेरिमनी का विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ विप्र फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष व पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित व नगर परिषद के वार्ड पार्षद मदन ओझा व शिक्षाविद डाक्टर पवन महर्षि, विकास पारीक व विप्र फाउंडेशन तहसील अध्यक्ष नारायण चन्द नाथोलिया रहे। सर्व प्रथम सभी मंचसथ अतिथियों ने मां शारदे के आगे दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर पंडित सुरेन्द्र शर्मा ने पुजा अर्चना करवाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधुसूदन राजपुरोहित ने कहां कि लाइब्रेरी किसी भी शैक्षणिक संस्थान का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह छात्रों के लिए ज्ञान के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जहाँ वे पुस्तकों और अन्य सूचनात्मक संसाधनों के माध्यम से नई दुनिया की खोज और खोज कर सकते हैं। इस अवसर पर वार्ड पार्षद मदन ओझा ने लाईब्रेरी को बच्चों के लिए आज की आवश्यकता बताते हुए कहा कि लाईब्रेरी पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य मीडिया को प्राप्त करने या उन तक पहुँच प्रदान करने के लिए जिम्मेदार हैं अध्यनरत बच्चों की शैक्षिक, मनोरंजक और सूचनात्मक आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। इस अवसर पर शहर के प्रमुख शिक्षाविद डॉ पवन महर्षि ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों के विकास के अनुसार, सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्देश्य, शिक्षा, सूचना और मनोरंजन सहित व्यक्तिगत विकास के लिए व्यक्तियों और समूहों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न मीडिया में संसाधन और सेवाएँ प्रदान करना है। इस अवसर पर व्याख्याता विकास पारीक ने कहा कि क्षेत्र वासियों के लिए एक नवीन प्रयास सन साइन की टीम ने किया है वो निश्चित रूप से ही सार्थक प्रयास है ।

इस अवसर पर निदेशक मधु मिश्रा ने बताया कि हमारा प्रयास एक छत के नीचे ही लाईब्रेरी, बच्चों के रहने की व्यवस्था पी.जी.व प्रारंभिक बच्चों की शिक्षा के लिए कोचिंग क्लास शुरू कर एक नवाचार किया जा रहा है। जो बच्चों को आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में काम कर सकती है। जो अवधारणाओं की गहरी समझ को सक्षम बनाता है।

इस अवसर पर वरुण शर्मा, अशोक पारीक प्रवीण भोजक, नरेन्द्र सिंह राजपुरोहित, मांगीलाल सेवदा निलेश मुद्गल यश शर्मा विनोद जोशी बजरंग सेवदा, राकेश शर्मा, राजाराम मिश्र रामलाल शर्मा राजेन्द्र तिवारी आदि मौजूद कार्यकर्ताओं ने आये हुए अतिथियों का माला व मुमेनटो देकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील मिश्र ने किया।

विधायक कृपलानी की मेहनत लाई रंग विधानसभा क्षेत्र में हुई सौगातों की बारिश

निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी क्षेत्र को मिली करोड़ो की सौगात

विधानसभा के भाजापा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने मनाया जश्न

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। मंगलवार को राजस्थान सरकार के 16 वीं विधानसभा के दूसरे सत्र के अंतर्गत परिवर्तित आय व्यापक अनुमान पर सामान्य वाद विवाद पर राज्य की वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा पूर्व यूडीएच मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीचंद कृपलानी के विशेष आग्रह पर विधानसभा क्षेत्र को करोड़ो की सौगतें देने पर भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त कर आतिशबाजी की एवं मिठाईयां बांट कर जश्न मनाया। वित्त मंत्री दिया कुमारी ने 325 करोड़ की लागत से निम्बाहेड़ा से मंगलवाड फोर लेन सड़क 41 किमी. निर्माण कार्य, 5 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-113 मुख्य सड़क से गांव महुड़िया-बागदरी तक 5.20 किमी. की सड़क निर्माण की घोषणा कर स्वीकृति प्रदान की है। कृपलानी ने बताया कि नई बजट घोषणा में विधानसभा क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छोटीसादड़ी को उपजिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने की स्वीकृति दी है, वहीं छोटीसादड़ी क्षेत्रवासियों एवं वकीलों की बहुप्रतीक्षित मांग अतिरिक्त जिला न्यायालय को भी स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही निम्बाहेड़ा विधानसभा के कनेरा क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने के लिए निम्बोदा लघु सिंचाई परियोजना को भी स्वीकृत कर इसके लिए 20 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की। निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र को मिली इन सौगातों की जैसे ही खबर क्षेत्र में पहुंची वैसे ही क्षेत्रवासियों एवं कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर फैल गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने छोटीसादड़ी में एडीजे कोर्ट स्वीकृति पर जमकर आतिशबाजी की तथा हर्ष व्यक्त कर मिठाईयां बांटी। इसी प्रकार महुडिया बागदारी सड़क की स्वीकृति पर महुडिया क्षेत्र में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जश्न मनाया। इधर, विधानसभा के कनेरा घाटा क्षेत्र में निम्बोदा लघु सिंचाई परियोजना की स्वीकृति पर कनेरा घाटा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व यूडीएच मंत्री एवं विधायक श्रीचंद कृपलानी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वित्त मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय सांसद सीपी जोशी के प्रति आभार व्यक्त किया है। निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र को मिली सौगातों पर पूर्व विधायक अशोक नवलखा, पंचायत समिति प्रधान बगदीराम धाकड़, नगर अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी, उप प्रधान जगदीश आंजना, भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ प्रदेश मंत्री एवं जिप सदस्य गब्बर सिंह अहीर, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रतापगढ़ धनराज शर्मा, पूर्व प्रधान छोटीसादड़ी महावीर सिंह कृष्णावत, पूर्व कृषि उपज मंडी समिति अध्यक्ष विष्णु लाल पाटीदार, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर अग्रवाल, भू अभिलेख निरीक्षक दीपक राव मराठा, जगदीश गहलोत आदि अधिवक्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाई खिलाई।

चाकसू विधानसभा को बजट घोषणा में मिली सौगात पर विधायक का किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

चाकसू (नि.स.)। नवनिर्वाचित विधायक रामावतार बैरवा की कार्यप्रणाली एवं जनता के प्रति जवाबदेही को देखते हुए लोगों ने निवर्तमान सभी विधायकों को पीछे छोड़ दिया है ऐसा लोगों का मानना है। मतदाताओं से लगातार सम्पर्क एवं श्रेत्र मूलभूत आवश्यकताओं को सरकार तक पहुंचाने के साथ ही उनका समाधान करवाने की पहल करते रहना यही विधायक की कार्यकुशलता है। क्षेत्र के लोगों ने विधायक रामावतार बैरवा का विधानसभा में बेधड़क अपनी बात रखना एवं विगत सरकार की कागजी घोषणाओं की पोल खोलना लोगों के दिलों में घर कर गई। चाकसू में विशाल खेल स्टेडियम, कोटखावदा में जलदाय विभाग का सहायक अभियंता कार्यालय, माधोराजपुरा में बिजली विभाग का सहायक अभियंता कार्यालय खोलना, ग्रामीण क्षेत्रों की विभिन्न सम्पर्क सड़कों के निर्माण की घोषणा करने पर विधायक ने विधानसभा में ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं वित्तमंत्री दिया कुमारी के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही क्षेत्र की अन्य मांगों पर भी घोषणा किए जाने का अनुरोध किया। परिवर्तित बजट घोषणा में कोटखावदा में कृषि मंडी खोलने, चाकसू में पुराने नेशनल हाईवे नंबर 12 का भय डिवाइडर सुदृढ़ीकरण व नवीनीकरण तथा कोटखावदा सर्किल से बाईपास एवं गरूड़ वासी मोड़ से बाईपास तक 21 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए 38 करोड़ 52 लाख की घोषणा की गई है। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिया, जगह जगह विधायक स्वागत सम्मान कर मिठाई बांटी गई। जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष श्रवणलाल गुर्जर, पंचायत समिति कोटखावदा प्रधान प्रहलाद मीणा, कृषि मंडी चाकसू के पूर्व अध्यक्ष कैलाश शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष रामधन सैनी सरपंच संघ अध्यक्ष कन्हैयालाल शर्मा, एवं कार्यकर्ताओं ने विधायक का स्वागत करते हुए बधाई दी है।

देवली कुचलवाड़ा बायपास के समीप खेत में एक युवक का शव मिला

बढ़ता राजस्थान

देवली (नि.स.)। बुधवार को यहां जयपुर कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुचलवाड़ा बाईपास के समीप खेत में एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिला है। युवक के डूबे हुए शव को बकरियां चराने वाली एक महिला देखा और उक्त महिला ने ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। सूचना पर हनुमान नगर थाना प्रभारी पुलिस कर्मियों सहित मौके पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार यह शव राष्ट्रीय राजमार्ग के पास मां बीजासन होटल के सामने नाथूलाल खाती के खेत पर मिला। खेत के एक हिस्से में बारिश का पानी भरा हुआ है । जिसमें जोधपुर निवासी युवक का तैरता हुआ शव दिखाई दिया। इस दौरान गौ सेवक परमेश्वर खटीक ने तुरंत इस मामले की सूचना हनुमान नगर थाना प्रभारी अयूब खा को दी । सूचना के साथ घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस ने महेंद्र सिंह दरोगा,परमेश्वर खटीक सहित अन्य लोगों के सहयोग शव को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद जहाजपुर पुलिस उपाधीक्षक अजीत सिंह मेघवंशी भी घटना स्थल पर पहुंचे जिन्होंने मामले की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार मृत युवक की पहचान उसके जेब से मिले दस्तावेजों के आधार पर हुई। मृत युवक महिपाल सिंह पुत्र पिथाराम निवासी सांगना, चरणा जिला जोधपुर है। बताया गया कि मृतक की जेब से पुलिस को मोबाइल भी मिला है । वहीं दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने परिजनों की पड़ताल शुरू कर दी इस दौरान पुलिस ने मृतक के रिश्तेदार को सूचित किया है। तो वही इस जांच में पुलिस जुट गई की मृतक महिपाल सिंह कुचलवाड़ा बाईपास के खेतों में स्वयं आया या उसकी हत्या करके उसे यहां खेतों फेंक दिया गया । हालांकि पुलिस ने अभी उक्त मामले में किसी भी प्रकार की पुष्टि नहीं की है।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में ताज़िये निकाले

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(नि.स.)। झालावाड़ जिले के चौमहला कस्बे में इमाम हुसैन की शहादत की याद में नौजवां हुसैनी कमेटी की सदारत में चौमहला कस्बे में मंगलवार रात्रि व बुधवार को दिन में ताजिए निकाले गए। कमेटी के लाईससदार आबिद हुसैन आनु ने बताया कि 16 जुलाई मंगलवार को रात्रि में 9 बजे इमामगाह से ताज़िया कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए हुआ वापस इमामगाह में पहुंचा। 17 जुलाई बुधवार को दोपहर 3 .30 बजे इमामगाह से मुकाम उठ कर कस्बे से मुख्य मार्ग पर होता हुआ रात्री में करबला पहुंच कर ताजियों को ठंडे किए जाएगें। इस दौरान हुसैनी कमेटी के सदस्य व मुस्लिम समाज के लोग मौजूद रहे।

आतंकवाद की लड़ाई में कोई सियासत नहीं, सब साथ हैं : नेता प्रतिपक्ष

बढ़ता राजस्थान

अलवर/जयपुर। जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद हुए राजस्थान के विजेंद्र सिंह और अजय सिंह की पार्थिव देह जयपुर पहुंची।नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जयपुर एयरपोर्ट पहुंचकर प्रदेश के जांबाज शहीदों को सलामी देते हुए पुष्पचक्र अर्पित कर संवेदना और शोक प्रकट किया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हम सभी को सामूहिक रूप से मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ना होगा ऐसे मामलों में सियासत नहीं होनी चाहिए। जूली बोले राजस्थान के वीर सपूतों को मैं नमन करता हूं। राजस्थान के वीर सपूत देश की कुर्बानी के लिए आगे रहे हैं और आज भी आतंकवादियों से लोहा लेते हुए राजस्थान प्रदेश के 2 और देश के 5 जवान शहीद हुए हैं। हमें फक्र है राजस्थान की माटी ने ऐसे जवान पैदा किए हैं, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि पिछले 78 दिनों में 11 बड़े आतंकी हमले हमारी सेना और देश पर हुए हैं। केंद्र एक तरफ दावा कर रहे हैं कि हम एक सिर के बदले 10 सिर लाएंगे, लेकिन पिछले 10 वर्षों में जितने आतंकी हमले हुए और हमारे जवान शहीद हो रहे हैं इतने कभी नहीं हुए। हम चाहे चीन को आंख दिखाने की बात करें या पाकिस्तान को घर में घुसकर मारने की बात करें, लेकिन आज हकीकत सच्चाई से परे है देश में लगातार शहीदों की संख्या बढ़ती जा रही है। केंद्र सरकार को ऐसे ठोस कदम उठाने चाहिए, जिससे यह सैनिकों की मौत का सिलसिला रुके। इस दौरान कॉंग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा , सुरेश गुर्जर झालावाड, उदयपुरवाटी विधायक भगवानाराम सैनी मौजूद रहे।

करंट लगने से महिला की मौत

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (नि.स.) । उपखंड के निकटवर्ती गांव बालावास में एक महिला की करंट लगने से मौत हो गई। महिला अपने खेत में पानी की मोटर चला रही थी। इसी दौरान करंट लग गया। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को बानसूर उप जिला अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना बालावास गांव की 11 बजे की है जहां पूनम यादव (25) पत्नी राकेश यादव पशुओं के लिए खेल में पानी चलाने गई थी। इसी दौरान स्टार्टर में करंट लग गया। करंट लगने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और महिला को बानसूर उप जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर बानसूर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों से घटना की जानकारी ली । पुलिस ने महिला के शव का बानसूर मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया।

गड़रपुरा ताल में डूबे नहाने के दौरान तीन बालक, दो को ग्रामीणों ने बचाया, एक की मौत

मृतक बालक पंकज मीणा उमरेह निवासी, अन्य बच्चो के साथ गया था ताल पर सदर पुलिस ने कराया मृतक के शव का पोस्टमार्टम, उमरेह गांव में शोक

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (राजू शर्मा)। उपखंड के उमरेह ग्राम पंचायत के गडरपुरा ताल में खेलने के दौरान तीन बच्चों के डूबने का मामला सामने आया है। घटना के बाद ग्रामीणों ने जैसे-तैसे दो बच्चों को तो बाहर निकाल लिया लेकिन तीसरे बच्चे को नहीं निकाला जा सका। ऐसे में पानी में डूबने के चलते एक 12 वर्षीय बालक की मौत हुई है। घटना के बाद मृतक बालक को ग्रामीण गोताखोर की मदद से बाहर निकाला गया। जिसे परिजन और ग्रामीण बाड़ी अस्पताल लेकर आये। जहां सदर पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया है। घटना के बाद गांव उमरेह में शोक छाया है।

घटना को लेकर मृतक बालक की जीजा रामअवतार मीणा ने बताया की 12 वर्षीय पंकज मीणा पुत्र राजाराम मीणा उमरेह गांव का निवासी है। जो गांव के दो अन्य लड़कों के साथ मंगलवार की शाम पांच बजे के करीब घर से निकाला और पास में स्थित गडरपुरा के ताल पर पहुंच गया। जहां तीनों बच्चे तालाब में कैसे अंदर चले गए। इसकी कोई जानकारी नहीं है लेकिन आसपास के ग्रामीणों ने जब बच्चों को डूबते देखा तो दो बच्चों को बचा लिया। पंकज पानी में ज्यादा गहरा चला गया। जिसे वे नहीं बचा सके। बाद में ग्रामीण गोताखोर की मदद से पंकज के शव को बाहर निकाला गया।

परिवार कर रहा था खेतों पर काम

परिजनों ने बताया कि वे अपने खेतों पर बारिश रुकने के चलते फसल बोने का काम कर रहे थे। शाम 6 बजे के करीब उनको सूचना मिली की उनका पुत्र पंकज तालाब में डूब गया है। इस पर सभी लोग भागते हुए तालाब पर पहुंचे जहां गोताखोर की मदद से शव को बाहर निकलवाया।

मृतक पंकज तीन संतानों में सबसे छोटा : ग्रामीणों ने बताया कि राजाराम मीणा के तीन बच्चे है। जिनमें सबसे बड़ी लड़की है और दो लड़के छोटे हैं। पंकज सबसे छोटा था। जो छठवीं कक्षा में पढ़ रहा था। मंगलवार की शाम गांव के बच्चों के साथ ताल पर चला गया और हादसे का शिकार हो गया।

पुलिस ने कराया पोस्टमार्टम : सदर थाने के जांच अधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया मंगलवार शाम की यह घटना है। जिसमे मृतक पंकज के शव का बुधवार की सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया है और परिजनों को सौंप दिया है। परिजनों ने जो तहरीर दी है। उंस पर कार्रवाई की जा रही है।

कत्ल की रात को उठाये गए ताजिये, युवाओ ने प्रदर्शन कर दिखाया जज्बा

मातमी धुनों के बीच 18 चौकियों के ताजिए पहुंचे कर्बला मैदान, किया गया सुपुर्दे खाक

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (राजू शर्मा)। मोहर्रम माह की 9 वीं तारीख को मंगलवार की रात शहर की 18 चौकियों पर युवाओ के प्रदर्शन के बीच ताजियों को चौकियों पर मुकाम दिया गया। इस दौरान मन्नत मांगी गई और तबर्रुक का वितरण किया गया। बुधवार को दिन में दोपहर की नमाज के बाद चौकियों से ताजियों को उठाया गया और मातमी धुनों के बीच या हुसैन हम न थे के गमगीन माहौल के बीच शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए बसेड़ी रोड स्थित कर्बला-ए-मैदान पहुंच सुपुर्द-ए-खाक किया गया। ताजिया मोहर्रम कमेटी के सदर मास्टर रशीद खान ने बताया की मुस्लिम समाज के पैगम्बर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन और हसन की शहादत की याद में मंगलवार की रात नवमी को क़त्ल की रात मनाई गई। इस दौरान युवाओ ने तलवारबाजी,बरेठी,लाठी चलाना सहित अखाड़े से जुड़ी विभिन्न कलाओ का जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान किले के ताजिये को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। वही शहर में जगह-जगह ताजिये रखे गये। आकर्षक सजावट के साथ शाम को बैठाए गए ताजियों पर लोगो ने माला पहनाई और तबर्रुक बाँटकर मन्नतें माँगी। मुकाम पर पहुंचे ताजियो के समक्ष लोगो ने जियारत की ओर भोग प्रसादी भी लगाई गई। बुधवार को दिन में नमाज के बाद सभी चौकियों से ताजिया उठाए गए और ढोल-नगाड़ो की मातमी धुनों के बीच शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए बसेड़ी रोड स्थित कर्बला मैदान ले जाया गया। जहां ताजियों को सुपुर्दे-खाक किया गया।

शिया समुदाय ने अल सुबह किया ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक : बुधवार को मोहर्रम की दसवीं को शिया समुदाय द्वारा अलसुबह ही ताजियों को सुपर्दे खाक किया गया। अंजुमन कमेटी के संरक्षक छुट्टन रिजवी ने बताया की ताजियों का जुलुस अलसुबह निकाला गया और शहर के तुलसीवन रोड इमामबाड़ा पर सुपुर्द-ए-खाक किया गया। यह जुलूस कोट पाड़ा स्थित बड़ा इमामबाड़ा से शुरू होकर गांधी पार्क,किला गेट,घंटाघर,पुराना बाजार होते हुए तुलसीवन रोड स्थित इमामबाड़ा पहुंचा। जहां नदी किनारे सुपुर्द-ए-खाक किया गया।जुलूस में शिया समुदाय के बच्चे,युवा,बुजुर्ग और महिलाये मातम करते हुए दर्जनों की संख्या में मौजूद रही। शहादत को आज भी याद दिलाता है

पुलिस प्रशासन की रही चौकस व्यवस्था

मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस को लेकर पुलिस और प्रशासन की चौकस व्यवस्था नजर आई। हर चौकी पर पुलिस का जाब्ता लगाया गया। वही कोतवाली थाना अधिकारी शिव लहरी मीणा के साथ सदर थाना,सोने का गुर्जा और बसई डांग थाने का जाब्ता और अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई। पूरे जुलूस के दौरान सीओ नरेंद्र कुमार और एसडीएम राधेश्याम मीणा भी फील्ड में तैनात रहे।

फोटो : राहुल कुमार

दरख़्त बता रहा अपना अस्तित्व...

अलवर शहर के मध्य ये भारी भरकम दरख़्त है हॉप सर्कस के पास,जहां जूते सही करने व पोलिश करने वाले इसी के नीचे बैठकर दो जून की रोटी कमा कर ले जाते हैं। पेड़ की कीमत भर गर्मी में जरा इनसे पूछिये..

मुख्य चौराहा बना अवैध प्राइवेट बसों का स्टैंड, यात्री परेशान अस्त-व्यस्त यातायात की वजह से दिन भर लगा रहता है जाम

बढ़ता राजस्थान

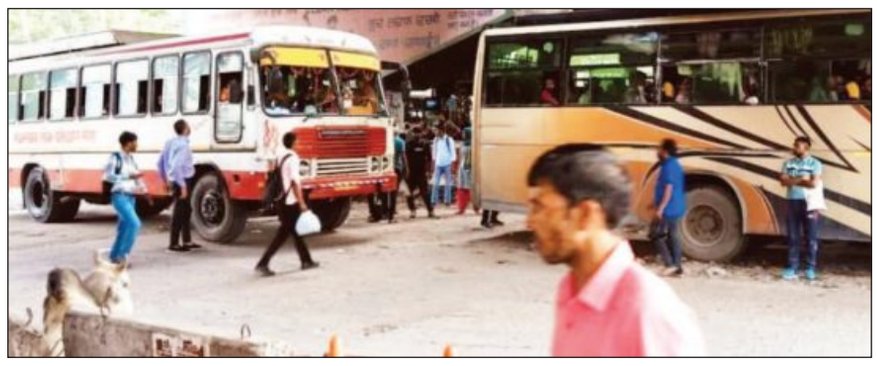

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के मुख्य चौराहे पर नीमकाथाना, सीकर, नागौर, खेतड़ी और डीडवाना जाने वाले यात्रियों सहित रूट के लोकल यात्रियों का दिनभर जमावड़ा लगा रहता है। यहां प्राइवेट बसों का अव्यवस्थित संचालन यातायात में भारी समस्या पैदा कर रहा है। मैन चौराहा होने की वजह से यहां अत्यधिक भीड़भाड़ व जाम की स्थिति रहती है। इसके साथ ही यहां दिनभर प्राइवेट बसों का जमावड़ा लगा रहता है। ये बस ड्राइवर इन बसों को यहां आड़ा तिरछा खड़ा कर देते है, इससे जाम तो लगता ही है साथ ही दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती है।

प्राइवेट बसों की मनमानी : प्राइवेट बसों के चालक डाबला रोड स्थित अपने निर्धारित स्टैंड पर बसों को खड़ा नहीं करते हैं, बल्कि सवारियों के चक्कर में मुख्य चौराहे पर आ जाते हैं। इससे रोडवेज की बसों को भी सवारियां चढ़ाने उतारने में परेशानी होती है। यात्रियों की पहली प्राथमिकता रोडवेज बसें होती है।

बस स्टैण्ड नहीं होने से हो रही परेशानी : कोटपूतली में बस स्टैंड ना होने की वजह से यह समस्या बन रही है। अगर बस स्टैंड हो तो प्राइवेट बसों की वहां एंट्री नहीं होगी। अभी जहां रोडवेज की बसें सवारियों को बिठाती हैं वहीं प्राइवेट बसें खड़ी हो जाती हैं। लम्बे रुट की सवारियां प्राइवेट बसों में नहीं बैठना चाहती, लेकिन रोडवेज बस आती है तो छोटे रुट की सवारियां चढ़ जाती हैं और लम्बे रुट की सवारियां स्टैंड पर खड़ी रह जाती हैं जिससे भीड़ बढ़ती है।

मंजू कुमारी, कोटपूतली आगार प्रबंधक

यातायात व्यवस्था की कमी : चौराहे पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यातायात व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। निजी बस संचालन उनके लिए अलग से स्टैण्ड होने के बाद भी यहां मुख्य चौराहे पर आ रहे हैं। यातायात कर्मी ये सब खड़े देखते रहते हैं, लेकिन कार्रवाई कुछ नहीं करते। कोटपूतली आगार से इस रूट पर केवल चार बसों का संचालन होता है, जो सुबह 6, 8 और 9 बजे जाती है। दोपहर 12 बजे अलवर से कोटपूतली आगार की एक गाड़ी अंतिम बस होती है। 12 बजे के बाद यात्रियों को स्थानीय आगार की कोई बस नहीं मिलती और उन्हें अन्य आगारों की बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। प्राइवेट बसों के जमावड़े के कारण सवारी उतारना और चढ़ाना बहुत मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों ने भी जिला प्रशासन, ट्रैफिक पुलिस और रोडवेज को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बामनी नदी पुल के पास टेंपो को मारी अर्टिका गाड़ी ने टक्कर, टेंपो सवार एक ही परिवार के एक महिला सहित चार घायल

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (नि.स.)। शहर के बसेड़ी रोड पर बामनी नदी पुल के पास एक अनियंत्रित अर्टिका गाड़ी ने टेंपो सवार एक ही परिवार के लोगों को टक्कर मारी है। दुर्घटना में एक महिला सहित चार लोग घायल हुए हैं। जिन्हें बाड़ी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल धौलपुर रेफर किया है। बताया जा रहा है कि बसेड़ी के पिपरोन गांव निवासी यह लोग बाड़ी में अपने छोटे बच्चे को बच्चों के डॉक्टर को दिखाने आए थे। जहां से वापस गांव लौट रहे थे। घटना को लेकर घायलों के साथ आए पिपरोन गांव निवासी बनवारी पुत्र शिरोमणि वर्मा ने बताया कि उनके मामा राधेश्याम का लड़का कृष्ण मुरारी अपने छोटे बच्चे रिंकू को बाड़ी बच्चों के डॉक्टर को दिखाने आया था। जिनके साथ वह और उनकी भाभी कमलेश साथ में थे। बाड़ी में रिंकू को दिखाने के बाद वे लोग टेंपो से वापस गांव पिपरोन जा रहे थे। इस दौरान बामनी नदी पुल के पास बसेड़ी की ओर से आ रही एक अनियंत्रित तेज गति आर्टिका गाड़ी ने टेंपो में टक्कर मार दी।

जिससे टेंपो सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में टेम्पो सवार सभी लोग घायल हो गए। हालांकि छोटे बच्चे रिंकू को मामूली चोट आई है लेकिन कमलेश की हालत गंभीर है साथ में कृष्ण मुरारी भी चोटिल हुआ है। ऐसे में सभी को चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल धौलपुर रेफर कर दिया है।

जोगेंद्र सिंह राठी सीबीईओ नियुक्त

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(नि.स.)। जिला शिक्षा अधिकारी एवं समकक्ष पदों पर पदोन्नति हेतु वर्ष 2022-23 की आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में चयनित पात्र प्रधानाचार्य को पदोन्नति उपरांत पदस्थापन आदेश संयुक्त शासन सचिव मनीष गोयल ने जारी किये। जिले के महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय हरसौरा में प्रधानाचार्य के रूप में कार्यरत जोगेंद्र सिंह को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कोटपूतली पद पर नियुक्त किया गया है। गौरतलब है विगत एक वर्ष से सीबीईओ का पद रिक्त चल रहा था। जोगेंद्र सिंह राठी समय के पाबंद और सकारात्मक विचारों के अधिकारी हैं। उनके सीबीईओ पद पर नियुक्त होने से शिक्षा विभाग को नई दिशा मिलेगी।

दहेज की मांग को लेकर महिला को लाठी-डंडों से पीटा : ससुराल पक्ष के लोगों ने घर से निकाला, गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी/धौलपुर (नि.स.)। धौलपुर की दिहौली थाना क्षेत्र के हथवारी गांव में दहेज की मांग को लेकर ससुराल पक्ष के लोगों ने महिला से मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया। महिला को पड़ोसियों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है। महिला वंदना ने बताया कि 6 साल पहले उसके पिता ने हथवारी गांव निवासी सुदामा के साथ शादी की थी। शादी के समय पिता ने हैसियत के मुताबिक दहेज दिया था। कपड़ा, बर्तन, नगदी के साथ टू व्हीलर गाड़ी भी शादी में दी थी, लेकिन शादी के कुछ समय बाद से ही पति सुदामा, जेठ अजय सिंह सहित ससुर, सास, ननद सभी अतिरिक्त दहेज की डिमांड करने लगे। ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज के रूप में फोर व्हीलर गाड़ी के साथ नगदी की डिमांड रख रहे थे। इस मामले में कई बार पंचायत का भी आयोजन किया गया, लेकिन ससुराल पक्ष के लोग नहीं माने। बुधवार को पति, जेठ, सास, ससुर, ननद सभी लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट की है। महिला ने बताया कि पड़ोसियों ने उसे ससुराल पक्ष के लोगों से बचाया है। पड़ोसियों की ओर से ही इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल महिला का जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है। उधर घटना को लेकर थाना प्रभारी परमजीत सिंह पटेल ने बताया कि हथवारी गांव में एक महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना को लेकर अभी तक पुलिस को रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद मामला दर्ज किया जाएगा। निजी स्तर पर पुलिस की ओर से मामले की जांच की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस पर दी विधिक जानकारी

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति लक्ष्मणगढ़ गोविंदगढ़ के अध्यक्ष अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोपाल सैनी निर्देश पर बुधवार को उपखण्ड गोविंदगढ़ के नित्यानंद लाइब्रेरी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि प्रतिवर्ष 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय दिवस मनाया जाता है। यह 17 जुलाई, 1998 को रोम संविधि को अपनाने की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय की संस्थापक संधि है। पीएलवी अनिल कुमार ने बताया कि इस का उद्देश्य नर-संहार, युद्ध अपराध,मानवता के विरुद्ध अपराध और आक्रमण का अपराध जैसे गंभीर अपराधों से संबंधित मामलों की जाँच करना है। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्याय के माध्यम से अपराधों के लिये ज़िम्मेदार लोगों को दंडित करने तथा इन अपराधों को फिर से घटित होने से रोकने में मदद करना है।

भारत, चीन एवं अमेरिका रोम संविधि के पक्षकार देश नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, जिसे विश्व न्यायालय के रूप में भी जाना जाता है, दुनिया का पहला स्थायी अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय है। आमतौर पर, जब किसी देश की शीर्ष अदालत जाँच करने और अपराधी को न्याय के कटघरे में लाने में असमर्थ होती है, तो पीड़ित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से अपील कर सकते हैं। पीड़ित इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी आवाज उठा सकते हैं, जो वैश्विक स्तर पर उनके मुद्दों को उजागर करने का एक अच्छा अवसर हो सकता है। नालसा योजनाओं की जानकारी दी।

राजकीय जिला चिकित्सालय नीमकाथाना में 20 जुलाई शनिवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

पाटन (नि.स.)। राजकीय जिला चिकित्सालय नीमकाथाना में 20 जुलाई को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पीएमओ डॉ कमल सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान शिविर के दौरान जो भी रक्तदान करेंगे उन सभी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।पूर्व में प्रसव पीड़ित महिलाओं को रक्त की जरूरत पड़ने पर सीकर से ब्लड मंगवा कर चढ़ाना पड़ता था जो बहुत रिस्क भरा कार्य था। वर्तमान में हास्पिटल की टीम द्वारा प्राप्त ब्लड़ के संग्रहण से पीड़ित महिलाओं के काम में लिया जा रहा है।

कोटपूतली में भीषण गर्मी व उमस में अघोषित विधुत कटौती व ट्रीपिंग से आमजन परेशान

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(नि.स.)। भीषण गर्मी व उमस के मौसम में क्षेत्र में जारी अघोषित विधुत कटौती व ट्रीपिंग से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कस्बे के बड़ाबास फिडर से रात्रि के समय होने वाली ट्रीपिंग से लोगों के घरों में बिजली लाईनें फॉल्ट हो गई है। साथ ही उपकरण भी खराब हो गये। इसी प्रकार रामसिंहपुरा फिडर से रोजाना अघोषित विधुत कटौती की जाती है। पीड़ित ग्रामीण लालचन्द कांवर नौरंगपुरा ने बताया कि रोजाना रात्रि 10 बजे बिजली काट ली जाती है, जो कि रात्रि 12.30 से 01.00 बजे तक विधुत कटौती निरन्तर जारी रहती है। इसके साथ ही दिन में कई बार बिजली काट ली जाती है। जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यही नहीं इसकी शिकायत के लिये फोन करने पर विधुतकर्मी व अधिकारी अपना फोन बंद कर लेते है।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत में निकाले ताजिये

- प्रशासन अनुसार निकला जुलूस, जो कहा वह निभाया जुलुस में नहीं हुआ हथियारों का प्रदर्शन
- जोश जज्बे हर्षोल्लास के साथ निकाला मुस्लिम समुदाय ने अखाड़े का जुलूस

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। पैगम्बरे इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत ईमाम हुसैन व कर्बला के शहीदों की याद में इस्लामी महीने मोहर्रम की 10 तारीख को ताजिए के अखाड़े का जुलूस हर्ष उल्लास जुनून जज्बे के साथ कस्बे में निकाला गया कस्बे में शांति समिति व सीएलजी की बैठक में लिए निर्णय के अनुसार दोनों समुदाय द्वारा हथियारों पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। बुधवार को अखाड़े के जुलूस में प्रतिबंध के बावजूद लोगों में जोश और जज्बे नारो की गूंज के साथ तीनो अखाड़े स्टेशन वाला अखाड़ा खाड़ी से होते हुए गुलाब बाड़ी की ओर से तो वही भाया की बाड़ी का अखाड़ा नगर पालिका कोटा बारा रोड हकीम साहब की मस्जिद होते हुए खाईपड़ा पहुंचा मोमिना चौक वाला अखाड़ा कोटा बारा सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीएडी तिराहे से होते हुए खाईपाड पहुंचे तीनो अखाड़े खाईपाड़ से बोहरा चोक, भूरा कुआं हकीम साहब की मस्जिद कोटा बारा मुख्य मार्ग होते हुए मोमिनान चोक होते हुए वापस इसी रास्ते खाईपाडा पहुंचा ।

ईदगाह कमेटी ने अखाड़े उस्तादों का किया स्वागत

अखाड़े जुलूस के लाइसेंस धारी अखाड़ा के उस्तादों का ईदगाह सरदार रसूल मोहम्मद ने शरीफ मोहम्मद, अलादीन उस्ताद मोमिनान चौक, रफीक खान, का साफा माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया ।

प्रशासन का रहा पुख्ता बंदोबस्त

उपखंड अधिकारी संजना जोशी पुलिस उप अधीक्षक शोजी राम मीणा थाना अधिकारी दिग्विजय सिंह तरह कस्बे की कमान संभाले हुए थे तो वही नगर पालिका ने अपनी जिम्मेदारियों से पूरी तरह से दूरियां बनाई हुई थी । थाना अधिकारी दिग्विजय सिंह ने संवाददाता को बताया कि सीएलजी एवं शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार ताजिया के अखाड़े के जुलूस में रूप से हथियार नहीं निकालने पर कस्बे के आयोजक प्रायोजको ने कानून की पालना करते हुए अखाड़े में हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया। इसके लिए सभी बधाई के पात्र है ऐसे ही लोगों को अपने अपने त्योहारों को हर्ष उल्लास के साथ कानून के दायरे में मनाना चाहिए ।

मोहर्रम के महीने की खास अहमियत

आज दुनिया के कोने-कोने में इस्लाम के मानने वाले इमाम हुसैन की शहादत की याद में मोहर्रम का त्योहार मनाते हैं। इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है मोहर्रम इस्लामी साल का पहला महीना मोहर्रम से शुरू होता है। इसी महीने में नबी करीम (स) अरब का शहर मक्का छोड़कर मदीना चले गए। यानी हिजरत कर गए। तब से हिजरी कैलेंडर की शुरुआत हुई। मुहर्रम का महीना सब्र की सीख देता है। मुसीबतों से लड़ने का हौसला देता है। हक और बातिल की जंग में सच्ची राह दिखलाता है। इस माह में लोग रोजे रखते हैं नमाज पढ़ते हैं ।

मोहर्रम की दसवीं तारीख कई वजहों से खास

हजरत आदम अलैहिस्सलाम इसी दिन पैदा किए गए और इसी दिन उनकी तौबा कबूल हुई। हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम पैदा हुए। मुसा अलैहिस्सलाम की उम्मत को फिरऔन से निजात मिली। ईसा अलैहिस्सलाम इसी दिन पैदा हुए। हजरत नुह अलैहिस्सलाम की किस्ती जुदी पहाड़ पर ठहरी। हजरत नुह अलैहिस्सलाम को मछली के पेट से निकाला गया। इसके अलावा और भी कई ऐसे वाकये हैं जो इस माह को खास बनाते हैं।

नगर निगम कोटा उत्तर एवं दक्षिण के संयुक्त तत्वाधान में 131वें दशहरा मेला 2024 का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। श्रीराम रंगमंच पर बुधवार को प्रात: 8:30 बजे विधिवत गणेश पूजन किया गया और 131वें दशहरा मेला 2024 का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में नगर निगम कोटा उत्तर एवं दक्षिण के अधिकारी और कर्मचारियों ने दूरी बनाई, जबकि मेले की परंपरा को निभाने के लिए मेला समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर नगर निगम कोटा उत्तर की महापौर व मेला अध्यक्ष मंजू मेहरा, नगर निगम कोटा दक्षिण के उप महापौर पवन मीना, इसरार मोहम्मद, चेतना माथुर, अनुप कुमार अन्नू, उषा ठाकुर, सुमन पेसवानी, मोहन नंदवाना, सपना भूट, नंदकिशोर, ललित, निशा गौतम, जमना बाई, महेंद्र वर्मा, बीरबल लोढ़ा, सुनील शर्मा, बशीर भाई, राजेंद्र सुवालका, शीतल मीना, दुष्यंत सिंह, नरेंद्र केठोलिया, कौशल्या सैनी और विनोद गौतम उपस्थित रहे। महापौर मेहरा ने कहा कि गणेश पूजन के साथ 131वें दशहरा मेले का शुभारंभ हमारे सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह मेला न केवल हमारे इतिहास और परंपरा को जीवित रखता है, बल्कि समाज में भाईचारे और एकता का संदेश भी फैलाता है। नगर निगम कोटा उत्तर और दक्षिण के सभी कर्मचारियों और पार्षदों का सहयोग सराहनीय है। उप महापौर पवन मीना ने कहा कि इस वर्ष का दशहरा मेला विशेष है, क्योंकि इसमें कई चुनौतियों के बावजूद मेला समिति के सदस्यों ने अपने स्वयं के खर्चे पर गणेश स्थापना का निर्णय लिया। यह हमारी सांस्कृतिक परंपरा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और प्रेम को दर्शाता है। हमें गर्व है कि हम इस परंपरा को जीवित रख पाए हैं। मेला अध्यक्ष मेहरा द्वारा दोनों नगर निगम के आयुक्तों को पूर्व में दो बार यू नोट लिखकर गणेश पूजन करने के आदेश दिए गए थे, परंतु दोनों आयुक्तों ने किसी प्रकार की प्रतिक्रिया नहीं की। इसके परिणामस्वरूप, 130 वर्षों से चली आ रही परंपरा खटाई में आ गई। इस चुनौती के बावजूद, मेला समिति के सदस्यों ने पूर्व संध्या को बैठक कर अपने स्वयं के खर्चे पर गणेश स्थापना का निर्णय लिया। इस प्रकार, 131वां दशहरा मेला 2024 एक नई शुरुआत के साथ शुभारंभ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर अपनी परंपरा और संस्कृति को बनाए रखने का संकल्प लिया।

मंदिर का गुंबद तोड़ने पर विवाद, हिंदू संगठनों ने जताया रोष

बारां के चौमुखा बाजार स्थित गणेश मंदिर का गुंबद तोड़ने को लेकर शहर के हिन्दू संगठनों में रोष व्याप्त, आक्रोशित लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। बारां चौमुखा बाजार स्थित गणेश मंदिर के गुंबद को मंगलवार देर रात को अज्ञात लोगों द्वारा तोड़े जाने को लेकर शहर में विवाद हो गया। मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने आक्रोश जताया है। सूचना पर जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और शांति बनाए रखने की अपील की। विधायक राधेश्याम बैरवा, भाजपा नेता आनन्द गर्ग समेत हिंदू संगठनों के लोगों को भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद हिन्दू संगठनों के लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की। ऐहतियात के तौर पर मौके पर भारी पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। प्रशासन की ओर से लोगों को समझाइश का प्रयास किया गया। हिन्दू संगठनों की ओर से शीघ्र आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर बारां बंद की चेतवानी दी गई है। बारां शहर में तनावपूर्ण हालात के चलते पुराने शहर की दुकान और

बाजार बंद कर दिए गये। जिला कलेक्टर ने लोगों से मामले को लेकर किसी प्रकार अफवाह नहीं फैलाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पुलिस व जिला प्रशासन मामले की गहनता से जांच करा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। करीब 11 बजे एसपी राजकुमार चौधरी ओर कलेक्टर रोशिताश्व सिंह तोमर ने घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया। लोगों से समझाइश कर मामले की निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद एसपी ओर कलेक्टर ने कोतवाली थाना पर दोनों पक्ष के प्रतिनिधि मंडल से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। वहीं, नारेबाजी कर रही भीड़ को तीतर बितर करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा ने कहा कि मंदिर के गुंबद को किसी असामाजिक तत्व की ओर से क्षति पहुंचाने की जो घटना हुई है, वो निंदनीय है। इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एसपी और कलेक्टर को भी मामले से अवगत करवाया है। जो भी दोषी है, उसकी शीघ्र गिरफ्तार की जाए, इसके लिए निर्देश दिए है। एएसपी राजेश चौधरी ने बताया की घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ओर प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और मौके पर मौजूद लोगों से घटनाक्रम की जानकारी ली। साथ ही लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी समझाइश की जा रही है। पुलिस की ओर से मामले की जांच करवाई जा रही है। जो भी दोषी होगा कार्रवाई की जाएगी। कोतवाली थाने पर एसपी और कलेक्टर ने दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल से समझाइश की गई। इसके बावजूद दोनों पक्ष के लोग थाने बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी करते रहे। नहीं मानने पर पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज कर तीतर बितर किया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जारी किया प्री-डीएलएड 2024 का परीक्षा परिणाम

मात्र 16 दिनों में ही तैयार किया गया रिजल्ट

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय द्वारा 30 जून को अपरान्ह 12.30 बजे से 3.30 बजे तक राजस्थान के सभी जिलों में प्री डीएलएड परीक्षा-2024 आयोजित कराई गयी थी। परीक्षा के लिए आवेदन 11 मई से 4 जून के बीच आमंत्रित किए गए थे, जिसमें कुल 6 लाख 45 हजार 454 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था 7 इनमें से कुल 3 लाख 51 हजार 886 महिला अभ्यर्थियों (54.52%) एवं 2 लाख 93 हजार 522 पुरुष अभ्यर्थियों (45.47%) तथा 46 अन्य अभ्यर्थी थे 7 उक्त कुल अभ्यर्थियों में से 31 हजार 460 सामान्य (4.87%), 2 लाख 48 हजार 86 (38.44%) अन्य पिछड़ा वर्ग नॉन क्रीमीलेयर, 7 हजार 158 (1.10%) अन्य पिछड़ा वर्ग क्रीमीलेयर, 1 लाख 41 हजार 793 (21.97%) अनुसूचित जाति, 1 लाख 30 हजार 283 (20.18%) अनुसूचित जनजाति, 39 हजार 636 (6.14%) अति पिछड़ा वर्ग, 47 हजार 38 (7.29%) आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था ।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कैलाश सोडाणी ने बताया कि इस बार परीक्षा में नवाचार करते हुए लागत कमी एवं पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के प्रश्न पत्र अलग-अलग मुद्रित करवाए गए, जिससे मुद्रित की जाने वाली प्रश्न पत्र पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या केवल 24 ही रह गई कुल अभ्यर्थियों में से 6 लाख 30 हजार 173 (97.63%) अभ्यर्थियों ने हिंदी माध्यम की प्रश्नपत्र पुस्तिका प्राप्त करने का विकल्प चुना एवं केवल 15 हजार 281 (2.37%) अभ्यर्थियों ने अंग्रेजी माध्यम में प्रश्नपत्र प्राप्त करने का विकल्प चुना। परीक्षा राजस्थान राज्य के 33 जिलों के 1917 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई, जिससे कुल 5 लाख 95 हजार 47 (92.19%) अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया । वर्तमान परिस्थितियों में पूर्ववर्ती पेपर लीक प्रकरण, डमी अभ्यर्थी एवं नकल आदि की समस्याओं को देखते हुए विश्विद्यालय ने संवेदनशील जिलों के परीक्षा केन्द्रों पर बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण एवं लाइव सीसीटीवी की व्यवस्था की गयी । राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा की माकूल व्यवस्था की जिसके फलस्वरूप पूरे राज्य में उक्त परीक्षा सुचारू रूप से बिना किसी बाधा के संपन्न हुई ।

बैरवा महासभा ने किया ओम बिरला का स्वागत

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने पर ओम बिरला का जगह-जगह भव्य स्वागत सम्मान किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व अति मुख्य अभियंता सार्वजनिक निर्माण राजस्थान एवं संरक्षक अखिल भारतीय बैरवा महासभा नई दिल्ली द्वारा लोकसभा अध्यक्ष बनने एवं रूस में आयोजित ब्रिक्स पार्लियामेन्टरी फोरम मे भारतीय दल का नेतृत्व कर भाग लेने पर ओम बिरला का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। महासभा के संरक्षक सुरेश कुमार बैरवा ने बताया कि ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष बनने पर ना केवल कोटा में विकास के द्वारा खुलेंगे, बल्कि उनके कुशल पांच साल लोकसभा के संचालन का अनुभव देश को आगे भी गौरांवित करेगा।

कनिष्ठ अभियन्ता से मारपीट के दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। ग्रेजुएट इंजीनियर एसोसिएशन एवं राजस्थान कौंसिल ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स की ओर से कनिष्ठ अभियन्ता के साथ मारपीट के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बुधवार को सम्भागीय आयुक्त और आईजी को ज्ञापन सौंपा गया। राजस्थान कौंसिल ऑफ डिप्लोमा इंजीनियर्स के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर डीपी चौधरी ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि बूंदी में 13 जुलाई को कनिष्ठ अभियंता सिद्धार्थ जिंदल के साथ गुंडो के द्वारा मारपीट की गई थी। जिस मामले में बूंदी कोतवाली में मामला दर्ज कराया गया था। चार दिन बाद भी मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जिस कारण से अभियंताओं, कर्मचारियों और दिन प्रतिदिन जल उत्पादन व आपूर्ति के कार्य में लगे संवेदकों के कर्मचारियों का मनोबल गिर रहा है। वहीं, कर्मचारियों में भय और रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि मारपीट करने वाले असामाजिक तत्वों की तुरंत गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रतिनिधिमण्डल में प्रद्युम्न बागला, अरविंद खीची, जतीश डागल, राजकुमार सक्सेना, सुनील शर्मा, आरसी यादव, पुरुषोत्तम सिंघल, हरेंद्र किराड, अशोक बमानवत, अंजलि मीना, श्रुति लोकवानी, उषा महावर हेमंत सनाढ्य, कुंतल मीणा , नवीन समेत जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अभियंताओं उपस्थित रहे।

अचानक मौसम परिवर्तन से कपासन में रिमझिम बारिश

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। क्षेत्र में बुधवार दोपहर मौसम में हुवे परिवर्तन से रिमझिम बारिश का दौर शुरू हुआ ।जिसने आमजन को गर्मी एवं उमस से कुछ राहत जरूर प्रदान की। जानकारी अनुसार क्षेत्र में जारी उमस के बीच बुधवार दोपहर अचानक मौसम परिवर्तन होने से रिमझिम बारिश शुरू हो गयी ।यहां बारिश शुरू होते ही ग्रामीण एवं राहगीर आनन-फानन में अपने गंतव्य की और निकल पड़े ।क्षेत्र में जारी भारी उमस के बीच हुई इस रिमझिम बारिश ने कुछ समय के लिए मौसम खुशनुमा कर हवा में हल्की ठंडक ला दी। जिससे क्षेत्रीय आमजन को गर्मी एवं उमस से कुछ राहत जरूर मिली। इधर क्षेत्र में अच्छी बारिश की आस लिए किसान वर्ग कृषि कार्यों में जुटा हुआ है ।विगत कुछ वर्षों में बारिश का अभाव रहने से क्षेत्र के जलस्त्रोत खाली है ।ऐसे में किसान वर्ग इंद्रदेव से अच्छी मूसलाधार बारिश की कामना एवं आस लिए बैठा है ।जिससे क्षेत्रीय पेयजल समस्या सहित किसान वर्ग एवं मवेशियों को चारे पानी को लेकर राहत मिल सके।

युवाओं ने विधायक जीनगर का स्वागत कर जताया आभार

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। उपखंड क्षेत्र राशमी में विभिन्न विकास कार्यों की स्वीकृति होने पर बुधवार को विधायक जीनगर का उपरना ओढ़ाकर स्वागत के साथ आभार व्यक्त किया गया। जानकारी अनुसार विगत वर्षो से चली आ रही विभिन्न विकास कार्यों को मांग पर उपखंड क्षेत्र राशमी में बाईपास निर्माण स्वीकृति,राशमी तहसील महाविद्यालय,भीमगढ़ में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की स्वीकृति से क्षेत्रीय आमजन एवं युवा वर्ग में हर्ष व्याप्त है। साथ ही क्षेत्र के युवा वर्ग द्वारा कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर के आवास पर उपरना ओढ़ाकर स्वागत अभिनंदन के साथ आभार व्यक्त किया गया।

चंबल की नहरों को 1215 करोड़ देने से मिलेगा किसानों को फायदा चंबल परियोजना समिति ने सरकार की घोषणा का किया स्वागत

बढ़ता राजस्थान

कोटा (का.स.)। बजट पर जवाब के दौरान चंबल की नहरों की मरम्मत के लिए 1215 करोड रुपए दिए जाने की घोषणा का चंबल परियोजना समिति ने स्वागत किया है। समिति के सभापति सुनील गालव ने बताया कि सीएडी की नहरों के जीर्णोद्धार समेत विभिन्न मांगों को लेकर 12 जुलाई को ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, विधायक कल्पना देवी और कंवरलाल मीणा से मुलाकात की थी। प्रतिनिधि मंडल में सुनील गालव के साथ कुलदीप सिंह गौड़, उपसभापति धर्मराज गुर्जर, अशोक नंदवाना ने सरकार से चंबल की नहरों के जीर्णोद्धार के लिए पैकेज जारी करने की मांग की थी। सभापति गालव ने कहा कि इस राशि से चंबल की नहरों को पक्की करने, माइनर और वितरकाओं की मरम्मत किए जाने से कोटा और बारां के तकरीबन 1 लाख 80 हजार किसानों को फायदा मिलेगा। इससे 473 गांवों की 1 लाख 27 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित हो सकेगी। टेल पर पानी पहुंचने से रोजमर्रा के झगड़ों से भी मुक्ति मिलेगी और किसान के खेत तक पानी पहुंचाने का स्वप्न साकार हो सकेगा।

बिजली कटौती की समस्या के समाधान को लेकर विधायक कृपलानी ने की सीएम व ऊर्जा मंत्री से मुलाकात

बढ़ता राजस्थान

निम्बाहेड़ा (नि.स.)। राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में सहित निम्बाहेड़ा-छोटीसादड़ी विधानसभा क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा रात्रि में की जा रही अघोषित बिजली कटौती से परेशान आमजन को निजात दिलाने के लिए पूर्व यूडीएच मंत्री एवं निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी ने बुधवार को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर से भेंट कर समस्या के शीघ्र निराकरण का आग्रह किया।

विधायक कृपलानी ने बताया कि सीएम शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री से मुलाकात कर विद्युत विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों सहित निम्बाहेड़ा-विधानसभा क्षेत्र में की जा रही रात्रिकालीन अघोषित बिजली कटौती को बंद करवाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि राज्य में एक तो भीषण गर्मी इस पर मानसून के दौरान बिजली कटौती से आमजन को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस पर सीएम शर्मा एवं ऊर्जा मंत्री नागर ने विधायक कृपलानी द्वारा बताई विद्युत आपूर्ति की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुनकर शीघ्र निराकरण के लिए आश्वस्त किया। इसके साथ ही विधायक कृपलानी ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लि. के प्रबंध निदेशक ए.पी. वर्मा से भी दूरभाष पर वार्ता कर बिजली आपूर्ति में आ रही समस्या से अवगत कराते हुए इसके शीघ्र निराकरण का आग्रह किया।

जिस पर वर्मा ने भी शीघ्र ही बिजली व्यवस्था में सुधार करने का आश्वासन दिया।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

जयपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों का हंगामा

स्पाइसजेट की दुबई जाने वाली फ्लाइट आखिरी वक्त पर हुई कैंसिल, 163 लोग हुए परेशान

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर से दुबई जाने वाली स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट बुधवार सुबह आखिरी वक्त पर रद्द हो गई। इसके बाद जयपुर एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में नाराज यात्रियों ने विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान यात्रियों ने स्पाइसजेट प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। वहीं, स्पाइसजेट प्रशासन ने टेक्निकल कारण का हवाला देकर आखिरी वक्त पर फ्लाइट रद्द होने की बात कही। दुबई जाने वाले राजूराम जाट ने बताया- 163 यात्रियों को आज सुबह 9:20 बजे स्पाइसजेट एयरलाइन से दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। हम सब अपने निर्धारित वक्त पर एयरपोर्ट पहुंच भी गए। आखिरी वक्त पर हमें बिना बताए फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। स्पाइसजेट प्रशासन सही जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद हमने टर्मिनल मैनेजर से भी बात करने की कोशिश की। उनका कोई जवाब नहीं आया।

नौकरी जॉइन करने दुबई पहुंचना था-हम सब लोग दूर-दराज से बुधवार को दुबई फ्लाइट के लिए ही जयपुर पहुंचे थे। मुझे खुद आज दुबई पहुंचना बेहद जरूरी था। क्योंकि मैं वहां नौकरी जॉइन करने वाला था। मैं टैक्सी किराए पर लेकर जयपुर पहुंचा था। यहां आने पर अब फ्लाइट कैंसिल होने की जानकारी मिली है। इससे मुझे बड़ा नुकसान हो गया है। राजूराम ने कहा- एयरपोर्ट प्रशासन को अगर फ्लाइट कैंसिल करनी थी तो हमें इसकी समय रहते जानकारी देनी चाहिए थी। उन्होंने ऐसा नहीं किया। न ही हम लोगों को एयरपोर्ट पर किसी तरह की सुविधा दी गई। इसकी वजह से दूर दराज से आए यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है।

हरियाणा की सरकारी नौकरियों में अग्निवीरों को 10% आरक्षण: सीएम सैनी ने घोषणा की; बिना ब्याज के 5 लाख रुपए तक लोन भी देगी सरकार

बढ़ता राजस्थान

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है। सीएम सैनी ने कहा कि हमारी सरकार हरियाणा में अग्निवीरों को पुलिस कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फॉरेस्ट गार्ड, जेल वार्डन और एसपीओ की सीधी भर्ती में 10 फीसदी आरक्षण देगी।

सीएम सैनी ने कहा कि हमने इन अग्निवीरों को ग्रुप डी और सी में सरकारी पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु में 3 साल की छूट देने का भी फैसला किया है। पहले बैच के मामले में आयु में यह छूट 5 साल की होगी। सरकार ग्रुप-सी में सिविल पदों में सीधी भर्ती में अग्निवीरों के लिए 5 फीसदी आरक्षण और ग्रुप डी में एक फीसदी आरक्षण देगी।

प्राइवेट औद्योगिक इकाइयों को सब्सिडी

सीएम सैनी ने कहा कि अगर कोई औद्योगिक इकाई प्रतिमाह 30 हजार रुपए से ज्यादा वेतन देती है तो हरियाणा सरकार उस औद्योगिक इकाई को 60 हजार रुपए वर्ष की सब्सिडी देगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने ग्रुप सी पदों पर भर्ती में अग्निवीर के लिए 5 फीसदी आरक्षण की घोषणा की है।

खुद का काम शुरू करने में भी मदद

सीएम सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार अग्निवीरों को अपना काम शुरू करने में भी मदद देगी। इसके लिए सरकार ने फैसला किया है कि जो अग्निवीर अपना काम करना चाहते हैं, उन्हें बिना ब्याज लोन दिया जाएगा। उन्हें काम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपए तक का बिना ब्याज के लोन दिया जाएगा।

कर्नाटक में निजी नौकरियों में 100% आरक्षण,सीएम ने पोस्ट हटाई

कई कंपनियां रिजर्वेशन के विरोध में; श्रम मंत्री की सफाई- यह 50% और 70% है

बेंगलुरु(एजेंसी)

कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों में ग्रुप सी और डी में स्थानीय लोगों को 100% आरक्षण देने का फैसला विवादों में घिर गया है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। 24 घंटे के अंदर ही उन्होंने सोशल मीडिया पर 100% कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली। सीएम के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार को सफाई दी- कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 70% और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50% तक सीमित है। दरअसल, सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसके लिए नियम तैयार कर लिए हैं। कैबिनेट से बिल भी पास हो चुका है। इसे 18 जुलाई को विधानसभा में पेश किया जाएगा। हालांकि उससे पहले ही इस पर बड़ी इंडस्ट्रीज ने विरोध जताया है।

कंपनियों के लिए दो शर्तें

बिल के मुताबिक, योग्य स्थानीय कैंडिडेट उपलब्ध नहीं हैं तो कंपनियों को सरकार या उसकी एजेंसियों के सहयोग से 3 साल के अंदर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि इसमें एक शर्त ये भी जोड़ी गई है कि अगर योग्य कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं तो कंपनियां इस नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार से आवेदन कर सकती हैं।

कश्मीर में शहीद हुए राजस्थान के जवानों का अंतिम संस्कार

आर्मी कैप पहनकर पिता ने बेटे को किया सैल्यूट; भाई को तिरंगे में लिपटा देख बहन बेहोश हुई

बढ़ता राजस्थान

जयपुर/झुंझुनूं। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनूं जिले के 2 जवान अंतिम यात्रा पर हैं। एक जवान बिजेंद्र सिंह का अंतिम संस्कार कर दिया गया है, जबकि थोड़ी देर में शहीद अजय सिंह की अंत्येष्टि की गई।शहीदों के सम्मान में स्थानीय लोगों ने उनके पार्थिव शरीर को लेकर तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनूं के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी। बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए। वहीं, शहीद अजय सिंह की पार्थिव देह देखकर पत्नी बेसुध हो गई। अजय सिंह के पिता ने आखिरी दर्शन करने के बाद आर्मी कैप पहनकर बेटे को सलामी दी। भाई को तिरंगे में लिपटा देखकर अजय सिंह की बहन बेहोश हो गई।

15 जुलाई को आतंकी हमले में शहीद हुए थे

डोडा जिले में डेसा जंगल के धारी गोटे उरारबागी में राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इस दौरान आतंकवादी फायरिंग करते हुए भागे। भारतीय सेना के जवानों ने उनका पीछा किया। घना जंगल होने की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देते रहे। सोमवार रात करीब 9 बजे फिर गोलीबारी हुई। इसमें बिजेंद्र सिंह और अजय सिंह समेत 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बिजेंद्र और अजय सेना में राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे।

केजरीवाल को राहत नहीं : हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला सीबीआई अरेस्ट के खिलाफ दायर की थी अर्जी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी की वैधता पर बुधवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई केस में अरविंद केजरीवाल की नियमित जमानत पर दलीलें सुनने के लिए कोर्ट ने 29 जुलाई की तारीख तय की है। इसका मतलब साफ है कि केजरीवाल को अभी भी तिहाड़ जेल में ही रहना होगा। उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत पर बहस भी पूरी कर ली और उस पर आदेश भी सुरक्षित रख लिया। केजरीवाल की सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी और उनकी अंतरिम जमानत की वैधता पर फैसला एक सप्ताह के भीतर एक साथ आने की संभावना है।

इससे पहले केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि आबकारी 'घोटाला' मामले में उनकी रिहाई को रोकने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो(सीबीआई) ने उन्हें गिरफ्तार किया। उच्च न्यायालय ने छुट्टी होने के बावजूद मामले की सुनवाई की। इस दौरान केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ने न केवल सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी की आलोचना की बल्कि उन्हें मामले में जमानत पर रिहा करने का भी अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की अदालत के समक्ष आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक का पक्ष रह रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी, '' यह दुर्भाग्य से रिहाई रोकने के लिए की गई गिरफ्तारी है। मेरे पास (ईडी के

मामलों में) बहुत ही सख्त प्रावधानों में प्रभावी रिहाई के तीन आदेश हैं...ये आदेश दिखाते हैं कि व्यक्ति रिहाई के लिए अधिकृत है।

उसे रिहा किया जाना चाहिए लेकिन उसकी रिहाई न हो यह सुनिश्चित करने के लिए उसे गिरफ्तार किया गया है।'' सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल '' आतंकवादी नहीं थे।'' उन्होंने कहा कि उनके मुवक्किल की गिरफ्तारी कानून के तहत नहीं हुई और मुख्यमंत्री जमानत के हकदार हैं। सीबीआई की ओर पेश हुए अधिवक्ता डी.पी.सिंह ने केजरीवाल द्वारा दाखिल दो याचिकाओं का विरोध किया। मुख्यमंत्री ने एक अर्जी में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है जबकि दूसरी अर्जी में जमानत देने का अनुरोध किया है।

पीएम को सिर्फ घमंड की परवाह, खड़गे का आरोप

मिशन इंद्रधनुष के तहत नहीं हो रहा बच्चों का टीकाकरण

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के तहत टीकाकरण करने में कथित विफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, पीएम केवल घमंड की परवाह करते हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इसे मुख्य पाप करार देते हुए दावा किया कि 2023 में 16 लाख बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए थे।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सीओवीआईडी महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए लगभग आधे आवेदन पीएम केयर्स फंड द्वारा बिना कोई

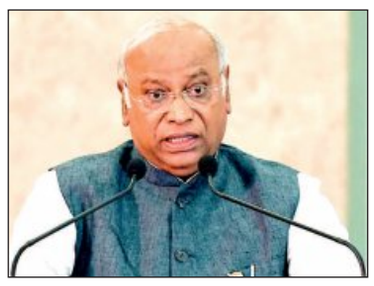

कारण बताए खारिज कर दिए गए। मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को बर्बाद कर रही है।

मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को बर्बाद कर रही है।

माफिया अतीक अहमद की 50 करोड़ की संपत्ति पर योगी सरकार का कब्जा, अपराध की कमाई से खरीदी थी जमीन

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में लगभग 50 करोड़ की संपत्ति अपने कब्जे में ले ली, जो मारे गए गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद की थी, जिसे कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों के पैसे से खरीदा गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि अतीक ने अपराध से जुड़ी गतिविधियों के पैसे से 2.377 हेक्टेयर जमीन हासिल की और उसे हुबलाल नाम के राजमिस्त्री के नाम दर्ज करा दिया। अतीक ने यह भी दावा किया कि जरूरत पड़ने पर वह जमीन अपने नाम कर लेगा। नवंबर 2023 में पुलिस ने इस जमीन को जब्त कर लिया।

अग्रहरि ने कहा कि पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत संपत्ति

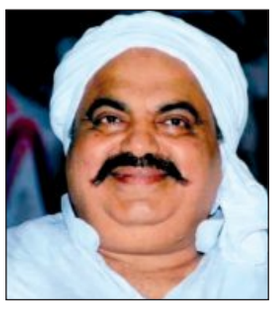

जब्त कर ली और जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया। हालाँकि, स्वामित्व का कोई प्रमाण नहीं दिया गया।

इसके बाद पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने मामले को प्रयागराज की गैंगस्टर कोर्ट में भेज दिया। न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने पुलिस आयुक्त की कार्रवाई को निष्पक्ष और उचित माना, और संपत्ति आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी गई।

यूपी में मानसून पर ब्रेक, पहाड़ों पर बारिश : वाराणसी का रत्नेश्वर मंदिर डूबा

उत्तर प्रदेश। यूपी में मानसून की रफ्तार पर कुछ समय के लिए ब्रेक लग गया है। बुधवार को 12 जिलों में महज 0.2 मिमी बारिश हुई। 63 शहरों में बारिश की एक बूंद भी नहीं गिरी। आंचलिक मौसम विभाग लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मानसून अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर शिफ्ट हो गया है। इस कारण उत्तरी हिस्सा शुष्क होता जा रहा है। 20 जुलाई से फिर मानसून की सक्रियता बढ़ेगी। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में 20 से 25 जुलाई के बीच अच्छी बारिश के आसार हैं। उधर, पहाड़ों पर बारिश से पूर्वी यूपी की नदियां उफान पर हैं। गोरखपुर, वाराणसी समेत 20 से ज्यादा जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 20 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। वाराणसी का रत्नेश्वर महादेव मंदिर गंगा में डूब गया है। यह दुनिया का पहला झुका हुआ मंदिर है।

खराब मौसम में रास्ता भटक गया हेलीकॉप्टर, बाल-बाल बचे फडणवीस और अजित पवार

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और अजित पवार तथा उद्योग मंत्री उदय सामंत बुधवार को उस समय बाल-बाल बच गए जब हेलीकॉप्टर खराब मौसम के बीच खराब दृश्यता के कारण रास्ता भटक गया था। तीनों नेता नागपुर से गढ़चिरौली जा रहे थे। अच्छी बात ये रही कि पायलट

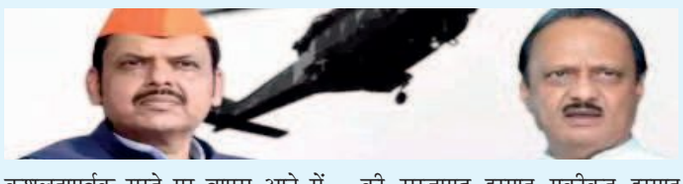

कुशलतापूर्वक रास्ते पर वापस आने में कामयाब रहा और हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया। तीनों जिले के अहेरी तहसील में 10,000 करोड़ रुपये की सुरजागढ़ इस्पात एकीकृत इस्पात परियोजना के शिलान्यास समारोह के लिए गढ़चिरौली गए थे। यह अजीत पवार ही थे जिन्होंने समारोह में घटना के बारे में बताया और उनकी सुरक्षित लैंडिंग का श्रेय पायलट की कुशलता को दिया। उन्होंने ककहा कि हेलीकॉप्टर ने बाकायदा नागपुर से गढ़चिरौली के लिए उड़ान भरी। हमारे उड़ान भरने के बाद बादलों को देखकर मैं काफी सहज महसूस कर रहा था। मैंने फडणवीस से उन्हें देखने के लिए भी कहा। हालाँकि, यात्रा के दौरान, मानसून के बादलों के कारण हेलीकॉप्टर अपना मार्ग खो गया।

जयपुर में खट-खट गैंग ने फिर कार चालक को लूटा

बदमाश बोला- मेरा पैर गाड़ी के नीचे आ गया है, फिर मोबाइल लूट ले गया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। जयपुर में खट-खट गैंग लगातार एक्टिव है। कुछ दिन पहले ही इस गैंग के तीन बदमाश पकड़े गए थे। अब एक नया मामला सामने आया है। लालकोठी थाने में खट-खट गैंग के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। शिकायत में पीड़ित शंकर शर्मा ने बताया- रामनिवास बाग चौराहे से घर की ओर जा रहा था।

इस दौरान रामनिवास चौराहे की लाल बत्ती पर रुका हुआ था। एक बदमाश ने गाड़ी का कांच खट खटाया। कहा- आप ने मेरा पैर दबा दिया है। इसी दौरान शंकर उससे बात करने लगा। उसी समय ड्राइवर सीट पर एक दूसरा व्यक्ति कांच खटखटाने लगा। जैसे ही शंकर ने उस विंडो को नीचे किया पहले वाले बदमाश ने कार में हाथ डाला और मोबाइल चोरी कर लिया।

खट-खट गैंग पिछले 6 माह से शहर में एक्टिव

यह खट-खट गैंग जयपुर में पिछले छह माह से एक्टिव होकर चोरी-लूट की वारदात कर रही है। पीड़ित लगातार थाने पहंच रहे हैं। पुलिस मोबाइल गुमशुदगी में रिपोर्ट लेकर दर्ज कर रही है। महेश नगर थाना पुलिस ने दो दिन पहले खट-खट गैंग के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था। इन बदमाशों ने रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर एक महिला के साथ इसी प्रकार से वारदात की थी। अब तक हुई पूछताछ में बदमाशों ने इस तरह की सैकड़ों वारदात करना कबूल कर लिया है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि जयपुर सिटी में इस तरह की वारदात होने क बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। कुछ घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश में मोबाइल गुमशुदगी पुलिस ने दर्ज की है।

उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है मुहर्रम : खांडू

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को कहा कि मुहर्रम उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह उपवास और कृतज्ञता का भी दिन है। यह नए सिरे से आध्यात्मिकता को आत्मसात करने के साथ स्मरण और विश्वास की पुनः पुष्टि का समय है। खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक यह पवित्र दिन शोक और गहन चिंतन को प्रेरणा देता है।'' मुख्यमंत्री ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''मुहर्रम के पवित्र अवसर पर मैं कर्बला की लड़ाई में पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए श्रद्धा व्यक्त करता हूं।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत
Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय फोन नं.01432-244881,निवाई 01438-222201,202,203, प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.)
फोन नं.0141-2796794,2796795,E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)